Swarn Shilp®
CHAINS & JEWELLERS PVT. LTD.
An exclusive AR brand

आभूषण टाइम्स

SKY GOLD

मुंबई email : aabhushantimes@gmail.com www.aabhushantimes.com अप्रैल-2025

RNI No. MAHHIN/2008/24974, Postal Regd No. MCS-206/2025-27, License to post without payment **MR/Tech/WPP-287/South/2025-27**
Post at Mumbai Patrika Channel Stg. Office, Mumbai G.P.O., Mumbai- 01. Posting Date : 14-15 Every Month, Publishing Date : 14 Every Month

आभूषण टाइम्स

वर्ष : 18 | अंक : 02 | अप्रैल 2025 | मासिक | पृष्ठ : 44 | मूल्य :₹ 50

IJP
INDIA JEWELLERY PARK
MUMBAI

LIMITED INVENTORIES AVAILABLE ON LAUNCH BENEFITS

THE FUTURE IS HERE

- Stamp duty waiver to buyer from MIDC
- MIDC transfer fee waiver on purchase for 1st buyer
- *50% SGST waiver for 5 years to all units in the park
- Single Window Clearance for government approvals under Maitri Policy
- *Waiver of electricity duty for all units in the park

For Booking, Contact

Email: callcentre@gjepcindia.com | Contact Number : 7700974085

A GJEPC INDIA PROJECT Sponsored by the Ministry of Commerce & Industry, Government of India.

* Terms & Condition Apply

GM

SWITCH TO A BETTER WORLD

A REFRESHING CHOICE FOR YOUR SPACES

mercer

CEILING FAN

The GM Mercer Ceiling Fan defines luxury. With a uniquely crafted body, widened blades with decorative trims, and Arctic region inspired colours, it delivers powerful performance and stunning style. Its dual-tone canopy and UV finish add an artistic touch to any ceiling. The perfect finishing touch to your spaces.

HIGH AIR DELIVERY | ANTI-DUST | HIGH SPEED | DOUBLE BALL BEARING | 36 MONTHS WARRANTY

Modular Switches • Touch Switches • Wi-Fi Switches • Home Automation Solutions • Bluetooth Music System
Video Door Phones • LED Lighting • Wires & Cables • PVC Pipes & Fittings • DBs, MCBs & RCCBs • Fans & Appliances

Our Exclusive Experience Centres

www.gmmodular.com | info@gmmodular.com

Mumbai - Andheri +91 88799 18221 **Lohar Chawl** 022 2206 6545 **Ahmedabad** +91 91529 59541 **Bengaluru** +91 80409 71188 **Belgaum** +91 99453 33107 **Chennai** +91 91525 52453 **Hyderabad** +91 40247 34545 **Vijayawada** +91 86624 99945 **Jalore** +91 29732 22288 **Bhilwara** +91 8955048560 **Calicut** +91 49527 73500 **Noida** +91 99501 52527 **Kolkata** +91 33406 02048 **Ranchi** +91 94715 55599 **Tirunelveli** +91 94431 51008 **Patna** +91 70048 36171 **Coimbatore** +91 99523 07025 **Puducherry** +91 41345 00222 **Surat** +91 91520 88884 **International - Dubai** +97 142 51 80 08 +97 143 54 40 36 **Spain** +34 677 62 09 45 **Kenya** +254729234315

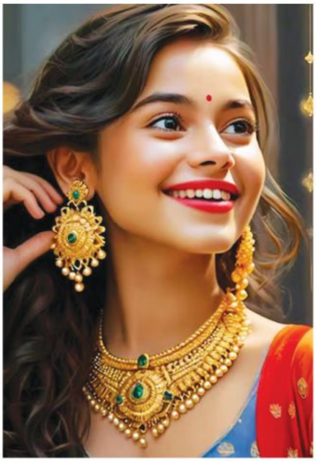

गोल्ड व सिल्वर की वर्तमान हालात और मार्केट के भविष्य पर एक नजर

गोल्ड व सिल्वर न केवल मेटल है, बल्कि यह संस्कृति, परंपरा और निवेश का प्रतीक भी है। साल 2025 की शुरुआत से ही गोल्ड मार्केट में लगातार चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जो ज्वेलरी उद्योग के लिए चुनौतियां और अवसर दोनों लेकर आया है। आज की तारीख, मतलब मार्च 2025, के बीतने तक गोल्ड की कीमतें पिछले साल की तुलना में काफी ऊंची हैं। 'आभूषण टाइम्स' के इस महीने के संपादकीय लेख में हम गोल्ड मार्केट की वर्तमान स्थिति, साल भर में गोल्ड और सिल्वर की कीमतों में संभावित वृद्धि, ज्वेलरी बिजनेस के बढ़ते बाजार और 'आईआईजेएस तृतीया' ज्वेलरी एग्जिबिशन के प्रभावों का विश्लेषण करेंगे।

'आभूषण टाइम्स' के अध्ययन के अनुसार, 2025 के पहले तीन महीनों में गोल्ड की कीमतों में लगभग 14-15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च 2025 तक, 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास पहुंच गई है, जो चार महीमे पहले, पिछले साल दिसंबर में 77,500 रुपये थी। वैश्विक स्तर पर भी गोल्ड 3045 डॉलर से भी आगे के आंकड़े पर प्रति औंस के स्तर पर जा चुका है। फिर भी, भारत में गोल्ड की मांग मजबूत बनी हुई है, खासकर त्यौहारी सीजन और शादी-विवाह के मौसम को देखते हुए। सिल्वर की बात करें, तो इसकी कीमत भी 1 लाख 5 हजार रुपये प्रति किलोग्राम को पार कर गई, फिर नीचे भी आ गई, तो फिर ऊपर की ओर दिखीं। औद्योगिक मांग और निवेशकों के सुरक्षित ठिकाने के रूप में सिल्वर की ओर रुझान ने इसकी कीमतों को बढ़ाया है। 'आभूषण टाइम्स'का अनुमान है कि 2025 के अंत तक गोल्ड की कीमतें 95, हजार से 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती हैं। भारत में इंपोर्ट ड्यूटी, रुपये की कमजोरी और वैश्विक मांग इस वृद्धि को और बढ़ावा दे सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती करता है, तो गोल्ड की कीमतें और उछाल ले सकती हैं। इसी तरह सिल्वर में भी 2025 में तेजी की उम्मीद है। 'आभूषण टाइम्स' की जानकारी है कि सिल्वर की कीमतें 2025 के अंत तक1 लाख 10 हजार से लेकर 1 लाख 25 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक जा सकती हैं।

हालांकि, चुनौतियां भी कम नहीं हैं। ऊंची कीमतें मांग को प्रभावित कर सकती हैं, और कारीगरों की लागत में वृद्धि मार्जिन को कम कर सकती है। फिर भी, डिजिटल मार्केटिंग, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स, और संगठित क्षेत्र की बढ़ती हिस्सेदारी ज्वेलरी बिजनेस को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। विशेष रूप से, युवा पीढ़ी के बीच कस्टमाइज्ड और मिनिमलिस्ट डिजाइनों की मांग इस उद्योग को आधुनिक बना रही है। गोल्ड व सिल्वर के लगातार महंगा होने के बावजूद, भारत का ज्वेलरी बाजार आने वाले दिनों में विस्तार के लिए तैयार है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार, 2024 में भारत की गोल्ड की मांग 802.8 टन थी, जो 2023 के 761 टन से 5 प्रतिशत अधिक है। मूल्य के लिहाज से यह 31 प्रतिशत बढ़कर 5,15,390 करोड़ रुपये हो गई। 2025 में यह मांग और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि शहरी मध्यम वर्ग और ग्रामीण बाजारों में ज्वेलरी की लोकप्रियता बढ़ रही है। हल्के वजन के आभूषण, डिजाइनर ज्वेलरी, और पुराने गहनों के एक्सचेंज जैसे रुझान इस बाजार को गति दे रहे हैं। अब बात करते हैं 'आईआईजेएस तृतीया' की। बैंगलुरू में संपन्न यह ज्वेलरी एग्जिबिशन भारतीय ज्वेलरी उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ है। पिछले लगातार 3 साल से, जीजेईपीसी द्वारा आयोजित 'आईआईजेएस तृतीया' ज्वेलरी एग्जिबिशन न केवल नवीनतम डिजाइनों और तकनीकों को प्रदर्शित करता है, बल्कि व्यापारियों, निर्माताओं और खरीदारों को एक साथ लाकर व्यापार को बढ़ावा देता है। 'आभूषण टाइम्स' इस हर एग्जिबिशन में उपस्तिति दर्ज कराता रहा है। पिछले दो 'आईआईजेएस तृतीया' ज्वेलरी एग्जिबिशन में देखा गया कि इस आयोजन ने छोटे और मध्यम उद्यमियों को बड़े खरीदारों से जोड़ा, जिससे ऑर्डर में 20-25 प्रतिशत की वृद्धि हुई।'आभूषण टाइम्स' ने बैंगलुरू में देखा है कि इस बार, ऊंची कीमतों के बावजूद, 'आईआईजेएस तृतीया' ज्वेलरी एग्जिबिशन नए ट्रेंड्स जैसे सस्टेनेबल ज्वेलरी और टेक्नोलॉजी-आधारित डिजाइनों को पेश करके विजिटर्स का ध्यान खींचने में सफल रही। माना जा रहा है कि जीजेईपीसी का यह आयोजन ज्वेलरी बिजनेस को वैश्विक मंच पर ले जाने और निर्यात को बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा।

गोल्ड मार्केट की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाएं ज्वेलरी उद्योग के लिए एक रोमांचक दौर की ओर इशारा करती हैं। 'आभूषण टाइम्स' का मानना है कि गोल्ड और सिल्वर की कीमतों में वृद्धि के बावजूद, उनकी मांग इस बाजार को जीवंत रखेगी। 'आईआईजेएस तृतीया' जैसे आयोजन उद्योग को नई दिशा देंगे। ज्वेलर्स को 'आभूषण टाइम्स' का संदेश है कि यह समय चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन सही रणनीति के साथ ज्वेलरी बिजनेस नई ऊंचाइयों को छू सकता है, क्योंकिगोल्डऔर सिल्वर दोनों ही, कभी सस्ते नहीं होते।

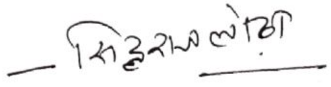

"भारत में इंपोर्ट ड्यूटी, रुपये की कमजोरी और वैश्विक मांग इस वृद्धि को और बढ़ावा दे सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती करता है, तो गोल्ड की कीमतें और उछाल ले सकती हैं। इसी तरह सिल्वर में भी 2025 में तेजी की उम्मीद है। 'आभूषण टाइम्स' की जानकारी है कि सिल्वर की कीमतें 2025 के अंत तक1 लाख 10 हजार से लेकर 1 लाख 25 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक जा सकती हैं।"

सिद्धराज लोढ़ा

www.shringar.ms |
Jewel World, Cotton Exchange Building, Kalbadevi Road, Mum - 400 002. Tel - 022-43111222

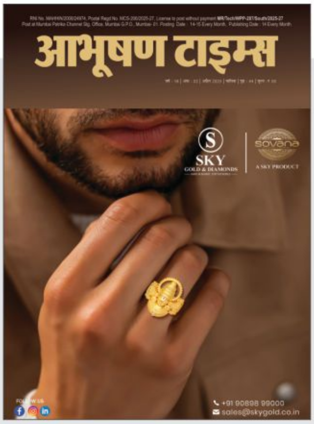

संपादक
सिद्धराज लोढ़ा

प्रबंध संपादक
राकेश लोढ़ा

सह संपादक
अखिल लोढ़ा
कुणाल लोढ़ा

डिजाइन
रवि गोरुले
कमलाकर तावडे

प्रिन्टर
प्रतिक ऑफसेट, मुंबई

सेल्स एवं ऑफिस प्रबंधक
सुरेश बोर्ले
हरिशंकर लोधी
तुकाराम ठीक

प्रतिनिधि
दिनेश त्रिवेदी
08765908424

आभूषण टाइम्स

407, कालबादेवी रोड़,
दौलत भवन, दुसरा माला,
ऑफिस नं. 203 मुंबई - 400 002.

Tel.: 022-2201 7091 / 022-2240 0338
E:mail:. aabhusantimes@gmail.com
Visit on us:. www.aabhusantimes.com

आभूषण टाइम्स

मासिक

भारत की नंबर वन ज्वेलरी बिजनेस मैगजीन

वर्षः 18 | अंकः 02 | अप्रैल 2025

04 गोल्ड व सिल्वर की वर्तमान हालात और मार्केट के भविष्य पर एक नजर

08 गोल्ड खरीद रहा है हर देश
दुनिया को केवल गोल्ड से ही उम्मीद

14 ...तो सिल्वर होगा सवा लाख के पार!
इसी साल चांदी की चमक में 20 फीसदी बढ़ोतरी संभव

18 दुनिया के 10 बड़े केंद्रीय बैंकों से ज्यादा सोना हम भारतीयों के पास

20 स्काई गोल्ड ज्वेलरी पार्क की शुरूआत के साथ एक नए युग की शुरूआत

24 आभूषण टाइम्स को मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन का मीडिया पार्टनर नियुक्त

26 जीजेएस ज्वेलरी शो 2025
ज्वेलरी इंडस्ट्री में शानदार सफलता की नई उड़ान

30 •अगले 5, 10 या 20 साल के लिए सोने या चांदी में कौन है निवेश का बेस्ट विकल्प?
•अमेरिका, जर्मनी, चीन... यहां भारतीय 10 पर अकेले भारी

39 •जीजेईपीसी द्वारा निर्यात पर समिक्षा हेतू संगोष्ठी का आयोजन
•सोने ने तोड़ा 12 साल का रेकॉर्ड

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लोढ़ा सिद्धराज सोहनराजजी द्वारा फ्लॅट नं. 702, 7वां माला, प्राइम रोज, स्वरूप को.हॉ.सोसायटी, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400058, 407 कालबादेवी रोड, दौलत भवन, दूसरा माला, ऑफिस नं. 203, मुंबई - 400002, से प्रकाशित कर प्रतिक ऑफसेट, 180 सी, गायवाडी, कर्नाक कंपाउंड, गिरगांव, मुंबई 400004 से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र मुंबई रहेगा।

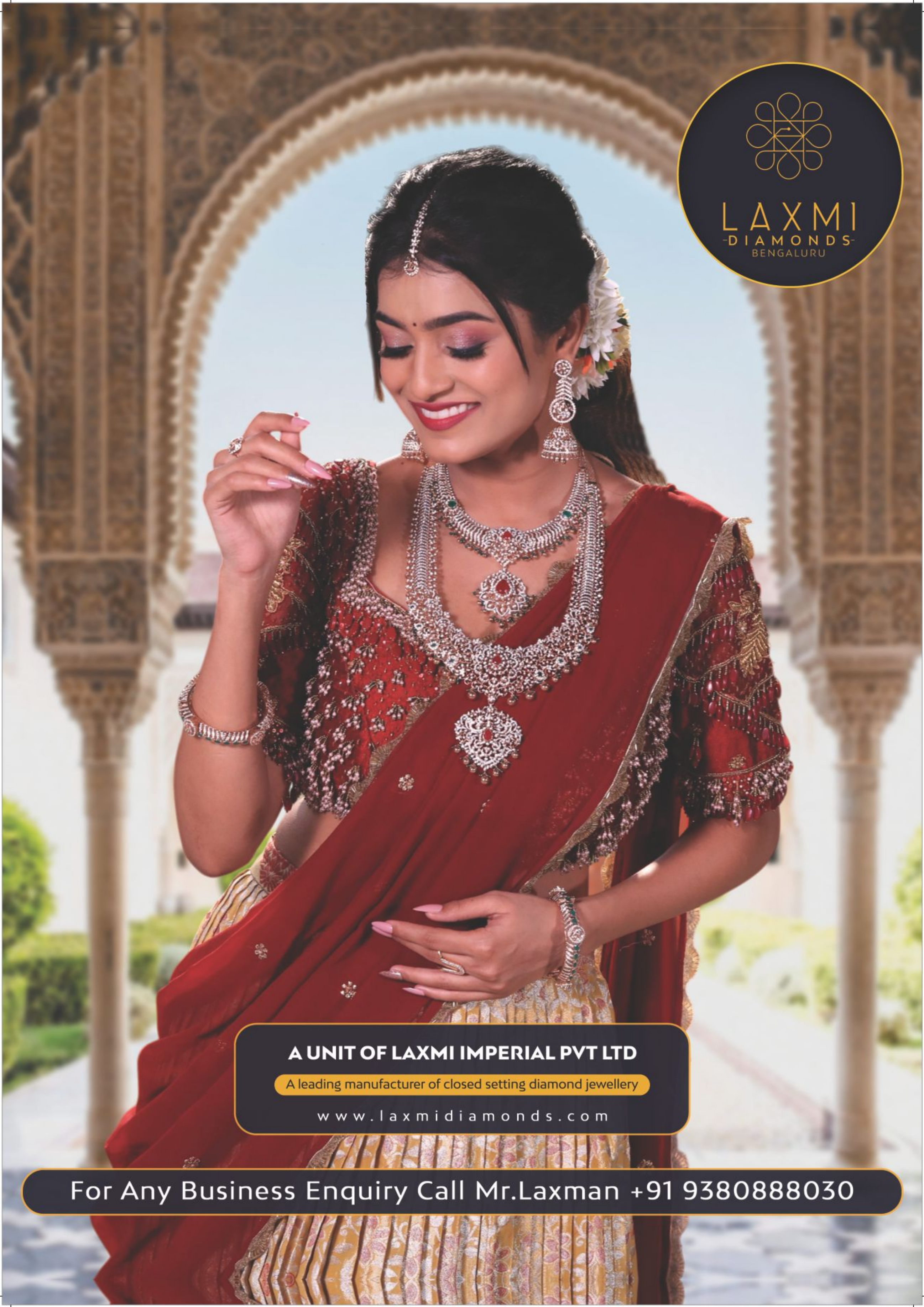
LAXMI
DIAMONDS
BENGALURU
A UNIT OF LAXMI IMPERIAL PVT LTD
A leading manufacturer of closed setting diamond jewellery
www.laxmidiamonds.com
For Any Business Enquiry Call Mr.Laxman +91 9380888030

गोल्ड खरीद रहा है हर देश

दुनिया को केवल गोल्ड से ही उम्मीद

राकेश लोढ़ा

> **दुनिया भर का हर देश गोल्ड खरीद रहा है। गोल्ड की सेल तेज है और कम होते खनन से सप्लाई में तेज बढ़ोतरी संभव नहीं है। ऐसे में गोल्ड के रेट का भी बढ़ना तय ही है। फिर किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए गोल्ड ही एक मात्र साधन है, जिससे मुद्रा स्फीति तथा अर्थव्यवस्था दोनों की खराब हालत को संतुलित किया जा सकता है।**

दुनिया भर के देशों की बिगड़ती अर्थव्यवस्था, जटिल भू-राजनीतिक परिस्थितियों और वित्तीय विघटन ने गोल्ड को पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक बना दिया है। लगभग सभी देशों का अपने अपने भंडार बढ़ाने के लिए गोल्ड के नए सिरे से भंडारण बढ़ाने एवं प्रबंधन मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित हो रहा हैं। 2024 में दुनिया के केंद्रीय बैंकों ने 1000 टन से ज्यादा गोल्ड खरीदा। इस वित्तीय वर्ष में अर्थात अप्रेल 2025 से मार्च 2026 में चीन, भारत, और रूस जैसे देशों के केंद्रीय बैंक और ज्यादा गोल्ड खरीद सकते हैं इसी वजह से माना जा रहा है कि 2025 में गोल्ड की डिमांड दुनिया भर में पहले से ज्यादा बढ़ेगी। इतिहास में दूसरी सबसे बड़ी वार्षिक खरीद 2022 में 1082 टन गोल्ड खरीद के रिकॉर्ड उच्च स्तर के बाद2023 में केंद्रीय बैंकों ने 1037 टन गोल्ड अपने जोड़ा। लेकिन केवल जनवरी 2025 के एक महीने में ही भारतीय रिजर्व बैंक ने 2.8 टन अर्थात 2800 किलो गोल्ड खरीदकर अपने भंडार भरने की कोशिश की है। यह अमेरिका में ट्रंप सरकार के आने का बाद से विभिन्न देशों के माल पर टैरिफ बढ़ाने की वजह से है, क्योंकि डॉलर के रेट भी लगातार ऊंचे ही हैं। केंद्रीय बैंकों द्वारा इस रिकॉर्ड गोल्ड खरीदी के बाद, समस्त संसार में सर्वाधिक सुरक्षित तथा अर्थव्यवस्था को मजबूत सहारा देने वाली आरक्षित परिसंपत्ति के रूप में गोल्ड को सबसे अनुकूल तत्व रूप से देखा जाना जारी है। ऐसे में सबसे अहम बात यह है कि जो लोग गोल्ड के सस्ता होने या रेट नीचे आने की राह देख रहे हैं, उनके सपने धरे ही रह जाएंगे, क्योंकि अंततः तो गोल्ड के रेट को ऊपर ही जाना है। गोल्ड इंडस्ट्री के इंटरनेशनल मार्केट रिसर्चर और बड़े जानकारों का भी दावा है कि आने वाले कुछ ही महीनो में गोल्ड भारतीय बाजार में एक लाख पर ट्रेंड कर सकता है। मुंबई मार्केट के जानकार भी कह रहे हैं कि जिस तरह से गोल्ड के रेट 90 हजार पर स्थिर हो रहे हैं, तथा जनवरी 2025 के शुरू होते ही सीधे 15 फीसदी बढ़े और केवल फरवरी व मार्च महीने में 10 फीसदी बढ़े, उस हिसाब से गोल्ड की चाल में तेजी दिख रही है। सेंट्रल बैंक गोल्ड रिजर्व सर्वेक्षण के अनुसार30 फीसदी केंद्रीय बैंकों ने अगले बारह महीनों में अपने गोल्ड के भंडार को और बढ़ाने का इरादा किया है। गोल्ड के भंडार से ही किसी भी देश की उच्च संकट जोखिम और बढ़ती मुद्रास्फीति को बैलेंस किया जा सकता है। मतलब, गोल्ड ही सदा की तरह अब भी सबसे मजबूत तत्व है, जिसके माध्यम से कोई भी देश अपनी अर्थव्यवस्था एवं मुद्रास्फीति को सम्हाले रखने में सक्षम होता है।

कुल गोल्ड की मांग चौथी तिमाही में 1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ नई तिमाही ऊंचाई पर पहुंच गई तथा 4974 टन के रिकॉर्ड वार्षिक योग में योगदान दिया। खास बात यह है कि हर देश के केंद्रीय बैंक ने काफी तेज गति से गोल्ड खरीदना जारी रखा। लगातार तीसरे वर्ष 1000 टन से अधिक गोल्ड की खरीद हुई, जो चौथी तिमाही में तेजी से बढ़कर 333 टन हो गई। गोल्ड की वार्षिक प्रौद्योगिकी डिमांड भी वैश्विक स्तर पर कुल मिलाकर बढ़ोतरी पर ही रही, और सन 2024 में इसमें 21 टन अर्थात लगभग 7 फीसदी की वृद्धि हुई। हालांकि रेट बढ़ने से गोल्ड ज्वेलरी की सेल में इंटरनेशनल लेवल पर गोल्ड की खपत कम रही और स्पष्ट रूप से कमी आई। ज्वेलरी में भले ही वार्षिक खपत 11 फीसदी घटकर 1877 टन रह गई, लेकिन भारत में सन 2014 में पूरे साल भर तक गोल्ड बार और कॉइन्स की मांग 2023 के अनुरूप 1186 टन रही। गोल्ड बार में निवेश बढ़ने और कॉइन्स की खरीद कम होने के कारण संरचना बदल गई। ज्वेलरी के मामले में माना जा राह है कि गोल्ड के रेट बहुत ज्यादा बढ़ने से खरीददार के लिए ज्वेलरी के तौर पर इसे सम्हालना तथा संजोकर

रखना बेहद रिस्की हो गया है तथा महंगी होने के कारण उपभोक्ता केवल कम मात्रा में ही गोल्ड ज्वेलरी खरीद सकते हैं, या फिर लाइट वेट ज्वेलरी खरीदी ही संभव हो पा रही है। हालांकि गोल्ड भले ही ज्वेलरी के रूप में पहले से ज्यादा नहीं बिक रहा है, लेकिन फिर भी, सोने के आभूषणों पर खर्च 9 फीसदी बढ़कर 144 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। इसकी केवल यही वजह है कि इसके रेट काफी महंगे होते जा रहा है।

गोल्ड इंडस्ट्री के दिग्गजों, इंटरनेशनल मार्केट के नामी रिसर्चर्स और मार्केट स्टडी करने वाले जानकारों के भी उम्मीद है कि केंद्रीय बैंक गोल्ड खरीदी की राह पर बने रहेंगे और गोल्ड ईटीएफ निवेशक भी इस दौड़ में शामिल होंगे। हालांकि गोल्ड के रेट काफी ऊंते हो जाने के कारण गोल्ड ज्वेलरी की मांग थोड़ी दबाव में रहेगी लाइट वेट ज्वेलरी की खरीदी के साथ साथ पुरानी ज्वेलरी की रीसाइक्लिंग में और वृद्धि दिख सकती हैं। खदानों की आपूर्ति मजबूत रहने की उम्मीद है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने अपने गोल्ड आउटलुक 2025 में जो व्यापक आर्थिक पृष्ठभूमि प्रस्तुत की है, वह मोटे तौर पर बाजार की उम्मीदों के अनुरूप है, जिसमें कुछ परिवर्तन हैं, जो आंशिक रूप से केंद्रीय बैंकों द्वारा गोल्ड की आक्रामक दर खरीदी से प्रभावित होते हैं। सर्वमान्य आर्थिक अनुमानों के अनुरूप, चार प्रमुख गोल्ड सेक्टर में कुछ खास घटनाक्रम होने की संभावना है। जिनमें अमेरिका में गोल्ड की धीमी खरीदी के साथ-साथ बीच-बीच में भाव के बढ़ने का जोखिम भी बना हुआ है। वहां पर ब्याज दरें धीरे-धीरे कम हो रही हैं, लेकिन यह उतार-चढ़ाव भरा सफर है, क्योंकि भारत की मुद्रा के हिसाब सेलॉग डर्म में अमेरिकी डॉलर में गिरावट की संभावना रत्ती भर भी नहीं है। गोल्ड के तेजी से बढ़ने की वजह एक यह भी है कि यूरोपीय विकास कमजोर बना हुआ है, लेकिन इस साल अर्थात 2025 के उत्तरार्ध में, दूसरी और तीसरी तिमाही में कम मुद्रास्फीति और दरों से लाभ होगा साथ ही चीनी व्यापारिक विकास में कोई अतिरिक्त वृद्धि भी वहां के निर्यात को बढ़ावा दे सकती है। चीन में कमजोर आर्थिक घरेलू गतिविधियों पर नियंत्रण के उपाय जारी है और निरंतर सकारात्मक प्रोत्साहन उपायों से इसमें सुधार हो सकता है, जिससे खुदरा और संपत्ति की बिक्री में शुरुआती सुधार देखा गया है। लेकिन गोल्ड के मामले में भारत में चार वर्षों में सबसे धीमी वृद्धि देखी गई है। हालांकि यह अधिकांश क्षेत्रों से अधिक है, तथा साथ ही ब्याज दरों और मुद्रास्फीति में सराहनीय गिरावट भी देखी गई है। लेकिन गोल्ड के सस्ता होने के आसान न के बराबर माने जा रहे हैं। भारत में हम देख रहे हैं कि गोल्ड की कीमतों में मजबूती ने 2024 में ज्वेलरी की मांग को बढ़ाया, लेकिन गोल्ड को रिकॉर्ड स्तर पर भी पहुंचा दिया। लेकिन 2025 की शुरूआत बेहद हल्की रही है। गोल्ड के मामले में वैश्विक स्तर पर भारत से स्वर्ण आभूषण की डिमांड के लिए 2025 में बहुत कमजोर शुरुआत हुई, क्योंकि रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ी गोल्ड की कीमतों ने सीधे खरीददार के सामर्थ्य को प्रभावित किया। पिछले साल भी गोल्ड के रेट लगातार बढ़ रहे थे, तो गोल्ड ज्वेलरी की डिमांड में वार्षिक गिरावट आई और वार्षिक कुल मांग घटकर 1877 टन रह गई, मतलब लगभग 11 फीसदी डिमांड कम हो गई। क्योंकि गोल्ड की कीमतों में लगातार तेजी के कारण उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता प्रभावित हुई। गोल्ड ज्वेलरी की खरीदी में कमी वैश्विक स्तर पर 11 फीसदी रही थी, लेकिन भारत के मामले में यह केवल 2 फीसदी गिरावट ही रही। क्योंकि भारतीयों को गोल्ड लुभाता है तथा महिलाएं सबसे ज्यादा तादाद में गोल्ड ज्वेलरी खरीदती हैं। गोल्ड ज्वेलरी की बिक्री में वैश्विक स्तर पर 11 फीसदी की गिरावट के मुकाबले भारत में सिर्फ 2 फीसदी की गिरावट ही रही, यह बेहद सुखद बात है, लेकिन विशेष रूप से चीन गोल्ड ज्वेलरी की बिक्री में 24 फीसदी की वार्षिक गिरावट की वहां के ज्वेलर्स के लिए बेहद चिंताजनक है।

दुनिया भर का गोल्ड बाजार फिलहाल अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगाए गए व्यापक टैरिफ के नतीजों पर केंद्रित हैं। दुनिया के लगभग सभी देशों की खराब होती अर्थव्यवस्था पूरी तरह से अमेरिकी डॉलर की मजबूती पर आधारित रही है। लेकिन यूरो बनाम अमेरिकी डॉलर की निरंतर मजबूती भी गोल्ड के महंगा होने का कारण हो सकता हैं। इसी तरह, जापानी येन में कमजोरी की संभावना कम है। बाकी सब समान होने पर, अमेरिकी असाधारणता को इन दोनों कोनों से चुनौती मिल सकती है, जिससे अमेरिकी डॉलर पर दबाव पड़ सकता है, जो गोल्ड की मौजूदा ताकत को और अधिक मजबूती दे सकता है। कुल मिलाकर बात यही है कि अप्रेल के महीने में भी गोल्ड के रेट में कोई कमी आने की संभावना कम ही है। भारत में अगर अगले महीने गोल्ड के रेट 5 फीसदी कम भी हो गए, तो आने वाले दो महीनो में फिर से 10 फीसदी तक बढ़ सकते हैं। ऐसे में गोल्ड की चमक बरकरार रहेगी और दुनिया के लगभग सभी देशों की अर्थव्यवस्था को बैलेंस करनेवाला यह मेटल अपनी चमक को और निखारता जाएगा।

चेतन थडेश्वर

श्रृंगार हाऊस ऑफ मंगलसूत्र

अमेरिका में डोन्लाड ट्रंप की सरकार सख्ती कर रही है। तीसरे वर्ल्ड वॉर की बात के बीच अमेरिका में दूसरे देशों से आने वाले सामान पर ज्यादा टैरिफ लगाने से ट्रेड वॉर के हालात हैं। इस कारण भी गोल्ड के सस्ता होने के आसार तो कतई नहीं है।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप सरकार के आने के बाद डॉलर के रेट कम होना संभव नहीं है, वहां पर बाहरी सामान पर जितना टैरिफ लगेगा, गोल्ड उतना ही महंगा होगा। ऐसे में चीन तथा यूपोरीय देशों से ट्रेड वॉर चलता रहेगा, अमेरिका में ब्याज दरें भले ही कम हो सकती है, लेकिन दुनिया भर के देशों ने वैश्विक स्तर पर तीसरे विश्व युद्ध के हालात बन रहे हैं।

धीरज मेहता

एम मेहता एण्ड सन्स

वैश्विक स्तर पर सेंट्रल बैंकों ने गोल्ड की खरीदी बढ़ाई है, क्योंकि वैश्विक हालात खराब हो रहे हैं। गोल्ड के रेट नीचे आना संभव ही नहीं है, क्योंकि स्वयं डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति से कहा था कि तीसरा विश्व युद्ध के हालात बन रहे हैं।

नारायण शेठ

एस के सेठ कंपनी

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को बनाए रखने में गोल्ड ही सबसे अहम तत्व है। फिर खनन उत्पादन और पुराने गोल्ड की रिसाइकलिंग, दोनों में कमी ने गोल्ड की कुल आपूर्ति की कमी में योगदान दिया, इसी कारण रेट भी तेजी से बढ़े हैं।

अश्विन शाह

अंसा ज्वेलर्स प्रा. लि.

गोल्ड सबसे बहुमूल्य मेटल है जिसे दुनिया भर में लोग खास तौर से आर्थिक कारणों से खरीदते हैं, जो अक्सर अपने अपने देश के सामाजिक व सांस्कृतिक हालातों तथा बाजार की परिस्थितियों से प्रभावित होते हैं, इसीलिए गोल्ड के रेट कम होना संभव नहीं होता।

SILVERIO

Silverio Artesa Pvt. Ltd.

The Finest Quality in 92.5 Silver Jewellery

Shop. 220/224,2, 2nd floor, Harbilas Building, Kalbadevi Road, Opp. Abhinandan Market, Near G9 Clothing, Mumbai-400002
Office: 022- 49701485, 9867272456 +91-910780-0700

Raju Kothari | Akrant Kothari - 98192 07704 | Ketan Kothari - 79001 23190
R. Kothari & Co. Jewellers
81, Chandra Darshan Building, Office No. 10, 3rd Floor, Dhanji Street, Zaveri Bazar, Mumbai-400 003
022 61834463 / 61834783 +91 7738274115 | I.com : 4463 / 4783
e-Mail : rkotharijewels@gmail.com | Website : www.rkotharijewels.com

ADN
THE MARK OF GUARANTEE & CREATION

Aradhana
JEWELLERS PVT. LTD.

Office no. 201, 2nd Floor, ADN House, Bldg no. 157/165, Sheikh Memon Street, Zaveri Bazar, Mumbai - 400002.
9820604171 / 9820204171

eMail : aradhanakirti@gmail.com | www.aradhanajewellers.com

THE HOUSE of SILVER EMPORIUM
SILVER • GOLD • DIAMONDS
SILVER EMPORIUM
GIRVÁAN
A STORY of GOLD
DIARAH
DIAMOND JEWELS
SILVER EMPORIUM • 232/234, Chamber Bhavan, 1st Floor
Kalbadevi Road, Mumbai 400002 • info@silveremporium.in

...तो सिल्वर होगा सवा लाख के पार!

इसी साल चांदी की चमक में 20 फीसदी बढ़ोतरी संभव

नया फाइनेंशियल ईयर है और सिल्वर के बाजार में यह सबसे बड़ा सवाल है कि सिल्वर के रेट इस वित्तीय वर्ष में और कहां तक आगे जा सकते हैं? यह सवाल इसलिए जरूरी होता जा रहा है क्योंकि भारत में सिल्वर के रेट वर्तमान में, मार्च 2025 तक, एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम को पार कर चुके हैं, जो एक महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है। आने वाले दिनों में सिल्वर के रेट लगभग 10 से 20 फीसदी तक और बढ़ सकते हैं, मतलब सवा लाख के आस पास पहुंच सकते हैं। यह जानकारी हम आपको बहुत ही जिम्मेदारी के साथ दे रहे हैं, जो हमको विभिन्न ट्रेड फोरम्स और बाजार के रुझानों के आधार पर सही प्रतीत होती है। वैसे, सिल्वर के बढ़ते रेट्स के बीच, भारत में ही नहीं दुनिया भर में सिल्वर ज्वेलरी की खपत में पहले भी ज्यादा तेजी से लगातार वृद्धि हो रही है और इसे दुनिया भर में तेजी से पसंद किया जा रहा है। इसके पीछे कई सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और व्यावहारिक कारण हैं, जो इसे आधुनिक समय में एक लोकप्रिय विकल्प बना रहे हैं।

वैश्विक स्तर के सिल्वर मार्केट के रिसर्चर्स तथा विशेषज्ञों के अनुमानों और बाजार की पिछले कुछ सालों की विश्लेषणात्मक जानकारी के आधार पर, सिल्वर की कीमतों में आने वाले समय में काफी चमकदार संभावनाएं दिख रही हैं। अल्पकालिक संभावना अर्थात इसी साल, 2025 के अंत तक देखें, तो कई विश्लेषकों का मानना है कि सिल्वर 1.10 लाख से 1.20 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है। यह अनुमान औद्योगिक मांग और निवेश में बढ़ोतरी को ध्यान में रखकर लगाया गया है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि अगर वैश्विक बाजार में तेजी रही, तो यह भारत में 1.25 लाख रुपये के पार भी तक भी जा सकती है। इस अवधि के आगे की बात करें, अर्थात मध्यम अवधि 2026-27 में देखें, तो सिल्वर के मामले में अगर मौजूदा तेजी के रुझान जारी रहे और सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सिल्वर की मांग लगातार बढ़ती रही, तो इसकी कीमतें 1.30 लाख से 1.50 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक भी जा सकती हैं। मॉर्गन स्टेनली और गोल्डमैन सैक्स जैसे कुछ अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों ने सिल्वर की कीमत को वैश्विक स्तर पर 40 से 45 यूएस डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने की भविष्यवाणी की है, जो विनिमय दर और टैक्स के आधार पर भारतीय रुपये में 1.60 लाख से 1.70 लाख प्रति किलोग्राम के बराबर हो सकता है। लेकिन दीर्घकालिक दौर में झांकें, तो सन 2030 तक सिल्वर 2 लाख के पार जाएगा, यह तय माना जा रहा है। दीर्घकालिक अनुमान में, सिल्वर की कीमतें 2 से 2.25 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक भी पहुंचने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन खास तौर से देखें, तो अगर सिल्वर की आपूर्ति में कमी रही और मांग में भारी वृद्धि हुई, तब तो इसके 2.50 लाख से भी ऊपर जाने की संभावना है, क्योंकि सिल्वर की खपत तो लगातार बढ़ती जा रही है मगर आपूर्ति में कमी आने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, यह परिदृश्य कई अनिश्चितताओं पर निर्भर करता है, लेकिन सिल्वर के महंगा होने की संभावना बरकरार है।

सिल्वर की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। आपूर्ति की कमी, बढ़ती औद्योगिक और निवेश मांग, आर्थिक अनिश्चितताओं और मुद्रा मूल्यों में बदलाव का यह परिणाम है। खनन में भी कमी देखी जा रही है। सो, सिल्वर में तेजी का यह रुझान निकट भविष्य में और तेज हो सकता है। हालात अगर वर्तमान जैसे ही रहे, तो इसी साल सवा लाख और सन 2030 से पहले सिल्वर 2 लाख का आंकड़ा पार कर सकता है।

सिल्वर के मौजूदा स्तर (1 लाख रुपये से अधिक) से देखें तो अगले 6-12 महीनों में 10-20 फीसदी की वृद्धि सबसे संभावित परिदृश्य है, जो इसे 1.10 लाख से 1.20 लाख रुपये तक ले जा सकता है। अगले 2-3 साल में, अगर वैश्विक और स्थानीय कारक अनुकूल रहे, तो 30 से 50 फीसदी वृद्धि होगी, अर्थात सिल्वर के रेट

में 1.30 लाख से 1.50 लाख रुपये तक की बढ़ोतरी संभव है। लेकिन जल्दी ही कोई बड़ा वैश्विक संकट पैदा हो जाए, जैसे युद्ध या आर्थिक मंदी हो, तो सिल्वर में 50 फीसदी से अधिक तेजी भी संभव है। लेकिन 2030 से पहले सिल्वर तभी 2 लाख को पार कर सकता है, जब इसके खनन में कमी आए। बाजार के जानकार मान रहे हैं कि सिल्वर के रेट आने वाले समय में निश्चित तौर से ऊपर जाने की प्रबल संभावना है, लेकिन यह कितना महंगा होगा, यह वैश्विक आर्थिक स्थिति, औद्योगिक मांग और आपूर्ति पर निर्भर करेगा। वैसे, अल्पकालिक तौर पर 1.20 लाख रुपये और मध्यम अवधि में 1.50 लाख रुपये तक की वृद्धि एक यथार्थवादी अनुमान है। सिल्वर ज्वेलरी में बड़े पैमाने पर निवेश करने वाले ज्वेलर्स के लिए यह समय सिल्वर में निवेश पर विचार करने का हो सकता है, लेकिन बाजार के उतार-चढ़ाव पर नजर रखना जरूरी है। जो ज्वेलर्स सिल्वर में निवेश करने की सोच रहे हैं, उनके लिए यही बेहतर वक्त है, क्योंकि वर्तमान खरीदीउनको भविष्य की व्यावसायिक ताकत बनाने में सिल्वर खरीदी से बड़ी मदद मिलेगी।

सिल्वर के ज्वेलरी में खपत बढ़ने के पीछे पहला और सबसे प्रमुख कारण है सिल्वर की किफायती कीमत। गोल्ड की तुलना में सिल्वर काफी सस्ता होता है, जिसके कारण मध्यम वर्ग और युवा पीढ़ी इसे आसानी से खरीद सकती है। पिछले कुछ वर्षों में गोल्ड की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिससे लोग सिल्वर ज्वेलरी को एक आकर्षक और बजट-अनुकूल विकल्प के रूप में देख रहे हैं। यह न केवल आभूषणों के लिए, बल्कि निवेश के छोटे साधन के रूप में भी पसंद की जा रही है। भारत जैसे देशों में, जहां ज्वेलरी खरीदना एक सांस्कृतिक परंपरा है, सिल्वर ने गोल्ड के तेजी से बहुत महंगा होने के बाद उस कमी को भरने का काम किया है।दूसरा कारण है सिल्वर ज्वेलरी का स्टाइलिश और बहुमुखी डिज़ाइन। आज के डिज़ाइनर सिल्वर को आधुनिक और पारंपरिक दोनों तरह के पैटर्न में ढाल रहे हैं, जो हर उम्र और पसंद के लोगों को आकर्षित करता है। सिल्वर की चमक और उसकी मॉडर्न अपील इसे वेस्टर्न और इंडियन दोनों तरह के परिधानों के साथ आसानी से मेल खाने वाला बनाती है। इसके अलावा, इसमें जेमस्टोन्स, ऑक्सीडाइड फिनिश और मिनिमलिस्ट डिज़ाइन जैसे प्रयोगों ने इसे फैशन स्टेटमेंट बना दिया है। युवा पीढ़ी, जो हल्के और ट्रेंडी ज्वेलरी पसंद करती है,

हाल के समय में डॉलर के मूल्य में उतार-चढ़ाव ने भी सिल्वर की कीमतों को प्रभावित किया है।सिल्वर की वैश्विक कीमतें आमतौर पर अमेरिकी डॉलर में निर्धारित होती हैं। जब डॉलर मजबूत होता है, तो सिल्वर की कीमतें बढ़ जाती हैं, क्योंकि इसे खरीदने के लिए ज्यादा रुपयों की जरूरत पड़ती है।

अंबालाल जैन
शुभम सिल्वर

ज्वेलरी का बिजनेस बाजार की डिमांड का बिजनेस है। भले ही दुनिया भर में सिल्वर की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही हैं, क्योंकि सिल्वर के तार आर्थिक, औद्योगिक और वैश्विक बाजार से जुड़े हैं। लेकिन बाजार पर जिनकी पकड़ है, उनको किसी भी तरह की कोई चिंता नहीं है।

सिल्वर को अपनी पहली पसंद बना रही है। तीसरा कारण है सिल्वर का सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व। भारत में सिल्वर को शुभ माना जाता है और इसे धार्मिक आयोजनों, जैसे पूजा या शादी के उपहारों में इस्तेमाल किया जाता है। सिल्वर के सिक्के, बर्तन और ज्वेलरी उपहार के रूप में लोकप्रिय हैं। इसके अलावा, यह त्वचा के लिए सुरक्षित और हाइ पोएलर्जेनिक मानी जाती है, जिससे लोग इसे रोज़मर्रा के इस्तेमाल के लिए चुनते हैं। गोल्ड की भारी ज्वेलरी की तुलना में सिल्वर हल्की और आरामदायक होती है, जो इसे हर दिन पहनने के लिए उपयुक्त बनाती है।चौथा, वैश्विक स्तर पर सिल्वर ज्वेलरी की मांग में पर्यावरणीय जागरूकता भी एक बड़ा कारण है। लोग अब टिकाऊ और नैतिक रूप से उत्पादित आभूषणों की ओर ध्यान दे रहे हैं। सिल्वर का पुनर्चक्रण आसान होता है और इसके उत्पादन में गोल्ड की तुलना में कम पर्यावरणीय नुकसान होता है। इससे पर्यावरण के प्रति जागरूक उपभोक्ता सिल्वर को प्राथमिकता दे रहे हैं। साथ ही, छोटे कारीगरों और स्थानीय ब्रांडों द्वारा हस्त निर्मित सिल्वर ज्वेलरी की उपलब्धता ने भी इसकी लोकप्रियता बढ़ाई है। पांचवां कारण देखा जाए, तो बदलती जीवनशैली और फैशन ट्रेंड्स ने सिल्वर को बढ़ावा दिया है।

अंत में, सिल्वर की बढ़ती औद्योगिक मांग और निवेश मूल्य ने भी इसे आकर्षक बनाया है। लोग इसे केवल ज्वेलरी के रूप में नहीं, बल्कि संपत्ति के रूप में भी देख रहे हैं। इन सभी कारणों से सिल्वर ज्वेलरी की खपत बढ़ रही है और यह वैश्विक स्तर पर पसंद की जा रही है। यह ट्रेंड भविष्य में भी जारी रहने की संभावना है। इसी कारण सिल्वर में तेजी बरकरार रहेगी, भले ही जानकार कह रहे हैं कि 2030 तक सिल्वर दो लाख के पार जा सकता है, लेकिन वे साथ में यह भी तो कह रहे हैं कि वैश्श्क स्तर पर कोई संकट पैदा हो जाए या आर्थिक मंदी आ जाए तो सिल्वर में वर्तमान रेट 1 लाख के मुकाबले 50 फीसदी से अधिक तेजी भी संभव है। लेकिन सिल्वर के खनन में अगर कमी आ गई, तो 2030 से भी बहुत पहले ही सिल्वर 2 लाख रुपए के रेट को भी आसाना से पार कर सकता है, क्योंकि आपूर्ति और मांग का असंतुलन बढ़ेगा, औद्योगिक मांग में वृद्धि में कमी संभव नहीं है, मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता का बने रहना लगातार आशंकित है, भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी जारी है, तथा बाजार में अस्थिरता की आशंका भी बनी हुई है।

इन सबके ऊपर भारत में, अमेरिकी डॉलर का मूल्य लगातार बढ़ता जा रहा है। तो, सिल्वर के रेट कम होने की संभावना कतई नहीं है। ऐसे ही कई सारे कारणों से न केवल भारत बल्कि दुनिया भर के बाजारों में सिल्वर के रेट के साथ साथ सिल्वर

हेमंत बड़ोला
VSL 925 सिल्वर

सिल्वर की मांग उद्योग, निवेश और ज्वेलरी जैसे क्षेत्रों में स्थिर या बढ़ती जा रही है, जबकि इसकी आपूर्ति सीमित है। हाल के वर्षों में सिल्वर का खनन उत्पादन घटा है, क्योंकि खनन लागत बढ़ गई है और नए भंडारों की खोज कम हो रही है। इससे कीमतों पर दबाव बढ़ता है।

पियुष साकरिया
एच पी सिल्वर

सिल्वर महंगा होता रहेगा क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में तनाव या मंदी का खतरा होता है, तो निवेशक गोल्ड और सिल्वर जैसी सुरक्षित संपत्तियों की ओर रुख करते हैं। सिल्वर की कीमतें अक्सर गोल्ड के साथ सकारात्मक संबंध रखती हैं, और दोनो के रेट साथ साथ बढ़ते दिख रहे हैं।

जयेश राठौड़
ओसी ऑर्नामेंट्स

भारत में सिल्वर की मांग त्योहारों, शादियों और निवेश के लिए ज्यादा रहती है। इसके अलावा, आयात शुल्क, कर और रुपये की कमजोरी भी कीमतों को बढ़ाने में योगदान देती है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ती हैं, तो भारत में यह प्रभाव और बढ़ जाता है।

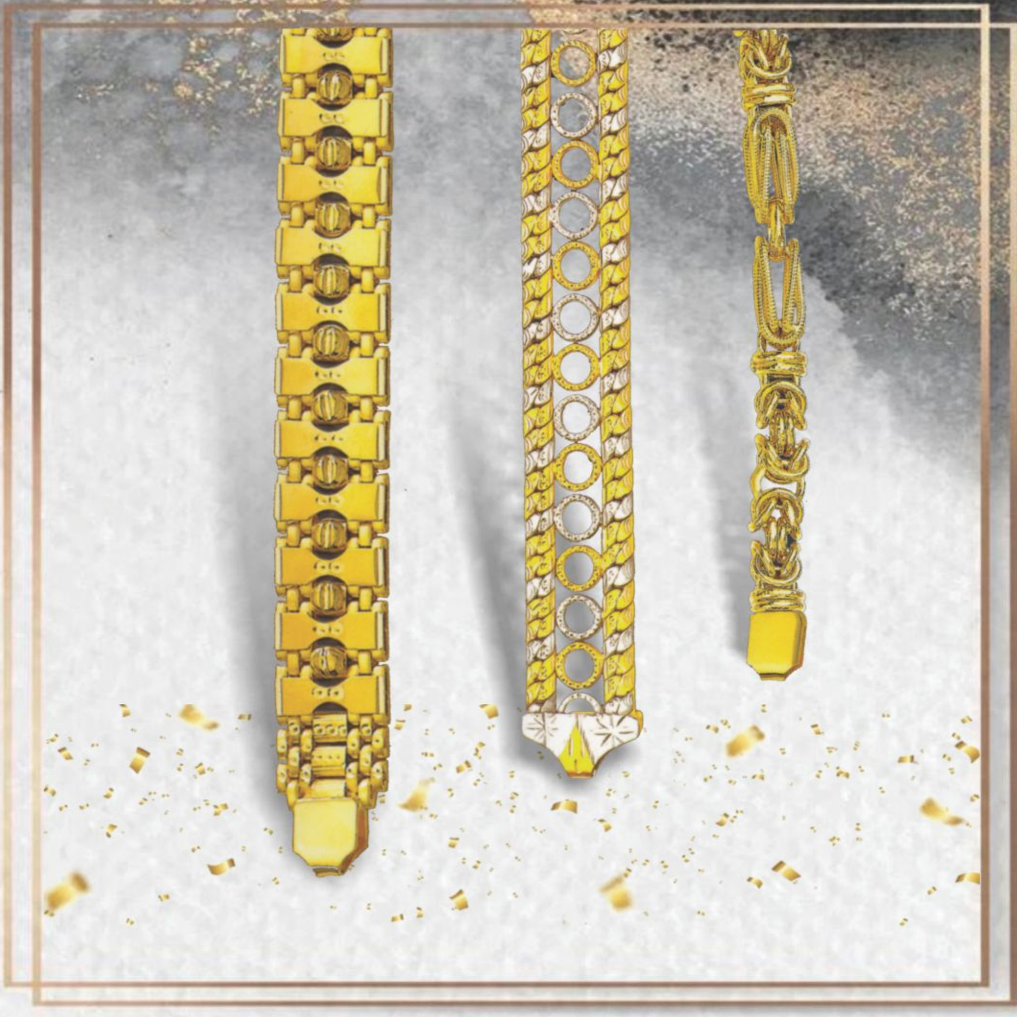

• M. V. Jain
93222 26413

• Pravin M. Jain
98200 63687

Shree vardhaman JEWELLERS

MFG. & WHOLESALERS OF :

ALL TYPES OF MACHINE CHAINS & ORNAMENTS

8, 1st Floor, Ladiwala Chambers, 11-13, Shaikh Memon Street Mumbai - 400 002. INDIA.
Tel.: 022 2242 6010 / 022 2242 3989 98200 63687 • Email : shreevardhamanjew@gmail.com

ml RJS
ml kanhaiyalal™
JEWELS
Manufacturer of
Plain Gold Jewellery
RA®
ramasha
Gems and Jewels LLP
Manufacturer of
Diamond Jewellery
MANISH SONI
+91 98207 76844
Ramjivanlal Soni
AMIT SONI
+91 98207 70094
A-1401, Aaditya Pearl, 14th Floor, P H Purohit Lane,
Cavel 1st X Lane, Ramwadi, Kalbadevi, Mumbai-400 002.
84620 09009 | 2201 1313 / 2201 1312
mlkjewels2015@gmail.com | ramashajewels @gmail.com
Follow us on : ramashajewels/
WE HAVE NO OTHER BRANCHES

दुनिया के 10 बड़े केंद्रीय बैंकों से ज्यादा सोना हम भारतीयों के पास

सोना दुनियाभर के निवेशकों की नंबर 1 पसंद बन गया है। हालांकि, सोने के प्रति भारतीयों का प्यार एक अलग ही लेवल पर है। हमारे यहां शादियों से लेकर त्यौहार आदि पर जमकर सोना खरीदा जाता है। बिना किसी खास अवसर के भी सोना खरीदने वालों की कोई कमी नहीं है। भारत के लगभग हर घर में कुछ न कुछ सोना जरूर मिल जाएगा। गोल्ड की आसमान छूती कीमतों ने जरूर गहनों आदि की खरीदारी पर कुछ असर डाला है, लेकिन इसका क्रेज और अपना बनाने की चाहत में कोई कमी नहीं आई है।

ये केंद्रीय बैंक हैं पीछे

सोने को लेकर भारतीयों के प्रेम का अंदाजा एचएसबीसी की रिपोर्ट से मिल जाता है। यह रिपोर्ट बताती है कि भारत के लोगों के पास जितना सोना है, उतना दुनिया के 10 टॉप केंद्रीय बैंकों के पास भी नहीं है। एचएसबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय परिवारों के पास कुल 25,000 टन सोना होने का अनुमान है, जो टॉप 10 केंद्रीय बैंकों के संयुक्त स्वर्ण भंडार से भी अधिक है। इन केंद्रीय बैंकों में अमेरिका, जर्मनी, इटली, फ्रांस, रूस, चीन, स्विट्जरलैंड, भारत, जापान और तुर्की शामिल हैं।

आरबीआई के पास कितना सोना?

एचएसबीसी ग्लोबल की रिसर्च रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के लोगों के पास अनुमानित 25,000 टन सोना है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका (8,133 टन), जर्मनी (लगभग 3,300 टन) के साथ-साथ इटली, फ्रांस, रूस, चीन, स्विट्जरलैंड, भारत, जापान और तुर्की के केंद्रीय बैंकों के पास मौजूद सोने के भंडार से कहीं अधिक है। दिसंबर 2024 तक भारत के केंद्रीय बैंक यानी भारतीय रिजर्व बैंक के पास 876.18 टन स्वर्ण भंडार था। बता दें कि बीते कुछ समय में दुनिया के केंद्रीय बैंकों ने अपने सोने के भंडार में बढ़ोतरी की है।

अभी कितनी है कीमत?

सोने की कीमत की बात करें, गुडरिटर्न्स के अनुसार, 24 कैरेट वाला 10 ग्राम सोना 90,990 रुपये पर मिल रहा है। वहीं, चांदी की कीमत प्रतिकिलो 1,05,100 रुपये हो गई है। सोने और चांदी की कीमतों में पिछले कुछ समय में काफी तेजी आई है। सोना लगातार अच्छा रिटर्न देने वाला निवेश विकल्प बना हुआ है। अपने इंडस्ट्रियल इस्तेमाल के चलते चांदी भी लगातार महंगी हुई है और इसके दाम भी आने वाले समय में तेजी से बढ़ सकते हैं।

और बढ़ सकते हैं दाम

सोना अभी और महंगा हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत सहित दुनिया के कई देशों पर 2 अप्रैल से रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने जा रहे हैं। इससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फिर उथल-पुथल मच सकती है। ऐसी स्थिति में सोने में निवेश बढ़ जाता है और दाम चढ़ने लगते हैं। ट्रंप के यूएस प्रेसिडेंट की कुर्सी पर बैठने के बाद से सोने के दाम तेजी से बढ़े हैं। टैरिफ नीतियों से शेयर बाजार सहित दूसरे निवेश विकल्पों के कमजोर प्रदर्शन के चलते सोने में निवेश बढ़ा है। जब डिमांड और सप्लाई में अंतर बढ़ता है, तो दाम चढ़ने लगते हैं। सोने के साथ भी यही हुआ है।

ट्रेड वॉर की आशंका

ऐसे में माना जा रहा है कि 2 अप्रैल से जब रेसिप्रोकल टैरिफ अमल में आएगा, तो ट्रेड वॉर तेज होने की आशंका पुनः जन्म लेगी और सोने में निवेश बढ़ेगा। लिहाजा, अगले कुछ दिनों में इसके दाम फिर रॉकेट की स्पीड पकड़ सकते हैं। बैंक ऑफ अमेरिका ने कुछ वक्त पहले ग्लोबल फंड मेनेजर्स के बीच एक सर्वे कराया गया था, जिसमें उन्होंने कहा कि यदि ट्रेड वॉर बड़े पैमाने पर शुरू होती है, तो गोल्ड बेस्ट परफॉर्मिंग एसेट बन जाएगा। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रणनीतिकार लुईस स्ट्रीट का कहना है कि मुद्रास्फीति और आर्थिक विकास पर टैरिफ के संभावित प्रभाव ने सोने की ताकत को बढ़ाया है।

कैसे प्रभावित होती हैं कीमतें?

देश में सोने की कीमतें केवल मांग और आपूर्ति से ही प्रभावित नहीं होतीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली गतिविधियों का भी इन पर असर पड़ता है। लंदन ओटीसी स्पॉट मार्केट और कॉमेक्स गोल्ड फ्यूचर्स मार्केट सहित प्रमुख वैश्विक बाजारों में होने वाली व्यापारिक गतिविधियों से भी सोने की कीमतें काफी हद तक प्रभावित होती हैं।

कौन तय करता है कीमत?

दुनियाभर में लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन द्वारा सोने की कीमत तय की जाती है। वो यूएस डॉलर में सोने की कीमत प्रकाशित करता है, जो बैंकरों और बुलियन व्यापारियों के लिए वैश्विक बेंचमार्क के रूप में कार्य करती है। वहीं, अपने देश में, इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में आयात शुल्क और अन्य टैक्स को जोड़कर यह निर्धारित करता है कि रिटेल विक्रेताओं को सोना किस दर पर दिया जाएगा।

-नीरज

SK JEWELLERS PVT. LTD
THE TRENDSETTER

SK JEWELLERS PVT. LTD.
23/29, NEX PLAZA, 2ND FLOOR, OFFICE NO. 201 TO 205
VITHALWADI, NEXT TO COSMOS BANK, (ZAVERI BAZAR),
MUMBAI-400 002.
T : +91 022 22401489 I 22401589 I 43474777 I 43474999
EMAIL : sanjayskjeweller@gmail.com

ANSAA
JEWELLERS (P) LTD.

Office No. 23 & 24 2nd Floor, 118, Kansara Chawl Co-op. Hsg. Society Limited
Kalbadevi Road, Near Surti Hotel, Bhuleshwar, Mumbai-400 002.
Tel.: +91 (22) 22411244 / 1245 / Email : kantipshah@gmail.com
Website : www.ansaajewellers.com Intercom : 4003 & 3607

स्काई गोल्ड ज्वेलरी पार्क की शुरुआत के साथ एक नए युग की शुरुआत

मुंबई। देश की जानी-मानी ज्वेलरी कंपनी स्काई गोल्ड ने ज्वेलरी पार्क के क्षेत्र में कदम बढ़ाते हुए स्काई गोल्ड की शानदार नई ब्रांडिंग की है। लगभग 5 लाख 40 हजार वर्ग फीट क्षेत्रफ़ल में फैला अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह वर्तमान तकनीक एआई आधारित गोल्ड ज्वेलरी पार्क प्रति माह 4.5 टन ज्वेलरी उत्पादन की क्षमता रखता है, जो कि अपने आप में एक रिकॉर्ड बनेगा। स्काई गोल्ड के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर मंगेश चौहान का कहना है कि हमारा यह नया उपक्रम हमारे इस विश्वास को दर्शाता है कि ज्वेलरी का भविष्य प्रौद्योगिकी और कलात्मकता के संगम पर है। सन 2025 के अप्रैल महीने की 5 तारीख का दिन स्काई गोल्ड ज्वैलरी कंपनी की एक नई पहचान की स्थापना का दिन था। मुंबई में जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर के प्रतिष्ठित स्काई डेक पर इसी दिन स्काई गोल्ड के ज्वैलरी पार्क अनावरण किया गया और इस ऐतिहासिक उपलब्धि का शानदार जश्न मनाया गया। इस अवसर वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के इंडिया के रीजनल सीईओ सचिन जैन, डी बीयर्स इंडिया के प्रबंध निदेशक अमित प्रतिहारी, मलेशिया गोल्ड एसोसिएशन के चेयरमैन दातो वीरा लुइस एनजी तथा ज्वैलरी इंडस्ट्री के कई अन्य दिग्गजों, गोल्ड बिजनेस के प्रतिष्ठित बिजनेसमैन और गणमान्य लोगों सहित कई सम्मानित लोगों की विशेष उपस्थिति रही। स्काई गोल्ड के डायरेक्टर महेंद्र चौहान ने कहा कि ज्वैलरी इंडस्ट्री के दिग्गजों की उपस्थिति ने स्काई गोल्ड के ज्वेलरी पार्क की लॉन्चिंग को यादगार बना दिया। उल्लेखनीय है कि स्काई गोल्ड ज्वैलरी इंडस्ट्री में इनोवेटिव पहल का पक्षधर रहा है और बहुत ही कम समय में इनोवेशन ही स्काई गोल्ड की विरासत में शामिल हो गया। स्काई ज्वेलरी पार्क भी स्काई गोल्ड की इनोवेटिव सोच और नई पहल का एक अभिनव उपक्रम है। इस ज्वैलरी पार्क ने स्काई गोल्ड की नए सिरे से नई ब्रांडिंग तो की जी है, साथ ही एआई संचालित ज्वेलरी प्रोडक्शन सेंटर के तौर पर स्काई गोल्ड की ज्वेलरी इंडस्ट्री में बढ़ती तेज गति को भी नए सिरे से परिभाषित करता है। स्काई गोल्ड के मैनेजिंग डायरेक्टर और मंगेश चौहान और डायरेक्टर महेंद्र चौहान, दर्शन चौहान का कहना है कि हम अपने उन सभी सहभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने ज्वैलरी पार्क के उद्घाटन के इस परिवर्तनकारी माइल स्टोन रूपी आयोजन का समर्थन करने के लिए अपना अमूल्य समय निकाला। उनका कहना है कि ज्वैलरी इंडस्ट्री के दिग्गजों की यह उपस्थित हमारे लिए प्रोत्साहन है तथा इस उत्साहवर्धन ने हमें स्काई गोल्ड की कार्यक्षमता को और मजबूत करने तथा हमारे प्रोडक्ट्स की उत्कृष्टता के लिए कुछ और नए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया है। दरअसल, स्काई गोल्ड का यह एआई तकनीक पर आधारित ज्वैलरी पार्क अपने आप में एक नई शुरुआत से कहीं अधिक है तथा विशेष तौर पर यह ज्वैलरी इंडस्ट्री के उज्ज्वल भविष्य की ओर एक साहसिक कदम है। वैसे भी स्काई गोल्ड की ज्वेलरी को दुनिया भर में सराहा जाता है। क्योंकि इसके लुभावने डिजाइन, शानदार शिल्प कौशल, अभिनव व आकर्षक कलात्मकता और समयातीत स्थायित्व का प्रतीक है। स्काई स्काई गोल्ड की ज्वेलरी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दुनिया के कई देशों में भारतीय कलात्मक और परंपरा की धूम मचा रही है।

ज्ञात हो कि एशियाई देशों सहित, मिडल ईस्ट, यूरोप और उससे आगे के फैशन-फ़ॉरवर्ड डेस्टिनेशन को भी स्काई गोल्ड ज्वैलरी एक्सपोर्ट की जाती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक मजबूत उपस्थिति के साथ, सिंगापुर और मलेशिया से लेकर यूके, यूएस और ऑस्ट्रेलिया के लक्जरी हब तक, स्काई गोल्ड की ज्वैलरी के डिज़ाइन हर जगह ज्वैलरी प्रेमियों को आकर्षित करतो हैं। चौहान ब्रदर्स का कहना है कि जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, ज्वैलरी इंडस्ट्री के लिए हमारी प्रतिबद्धता भी बढ़ रही है कि आने वाले समय में हम और श्रेष्ठ तथा, हाई क्वालिटी की ज्वैलरी प्रस्तुत कर सके जो गोल्ड की प्योरिटी डिजाइन की अभिनवता एवं प्रोडक्ट की क्वालिटी के साथ-साथ हमारी पारंपरिक ज्वेलरी की संस्कृति में मैं नया अध्याय लिखते हुए ज्वेलरी के सौंदर्य को और निखार सके। स्काई गोल्ड का अत्याधुनिक तकनीक संपन्न आई आधारित स्काई ज्वेलरी पार्क ज्वेलरी डिजाइनिंग और कलात्मकता के साथ-साथ हाई क्वालिटी प्रोडक्शन को बढ़ावा देगा स्काई ज्वेलरी पार्क स्काई गोल्ड की नई सोच का परिणाम है जिससे एक ज्वैलरी इंडस्ट्री में नया अध्याय लिखने की सफलता हासिल हुई है।

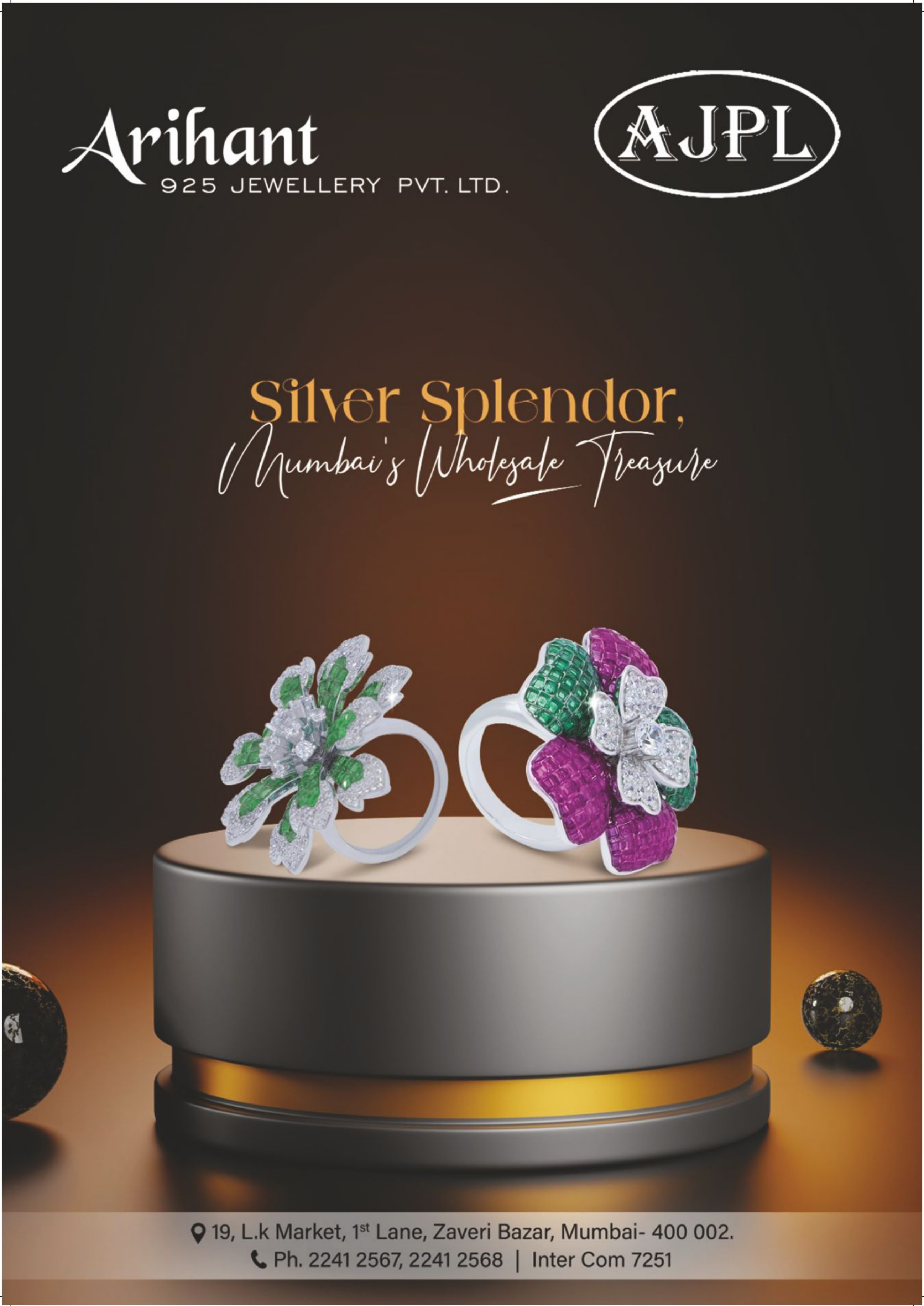
Arihant
925 JEWELLERY PVT. LTD.
AJPL
Silver Splendor,
Mumbai's Wholesale Treasure
19, L.k Market, 1st Lane, Zaveri Bazar, Mumbai- 400 002.
Ph. 2241 2567, 2241 2568 | Inter Com 7251

आपके अटल विश्वास और अटूट प्रेम की डोर में बंधे है
हमारे नयनाभिरम्य स्वर्ण आभूषण

Sakariya Jewels

Specialist in : 916 Hallmark Gold Jewellery
& Certified Diamond Jewellery (Wholesale & Retail)

177/179, Laxmi House, Ground Floor
Near Cotton Exchange, Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 6816, 4968 6425 | I.Com: 7285

Sakariya

JEWELLERS

WHOLESALE & RETAIL GOLD EXCLUSIVE JEWELLERY

177/179, Kalbadevi Road, Laxmi House, 1st Floor
Near Cotton Exchange, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 4800, 2240 4825 | Fax : 2240 1023, I.Com: 7283

VIERA®
CZ JEWELLERY
Office no. 16-17, 1st Floor, Rajbaug Estate, 55 Tamba Kanta,
Above B Bhagat Tarachand Hotel, Pydhoni, Mumbai -400003.
Tel: 022 61838396 | I.com : 8396 | Email: orders.viera@gmail.com
+91 9167307501 | /VIERACZ | /VIERACZ

OPENING & CLOSING RATES

1-31 March 2025

GOLD ₹ SILVER

RATE CHART

Source : India Bullion and Jewellers Association Ltd.

Note: 1. Below Rates are exclusive of VAT. 2. Opening Rates are not provided on Saturday
3. Opening and Closing Rates are not provided on Sunday's and Holidays.

Date	Gold 999 (AM Price)	Gold 999 (PM Price)	Gold 995 (AM Price)	Gold 995 (PM Price)	Gold 916 (AM Price)	Gold 916 (PM Price)	Silver 999 (AM Price)	Silver 999 (PM Price)
	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	1 Kg	1 Kg
01-Mar-25	SAT							
02-Mar-25	SUN							
03-Mar-25	85020	85320	84680	84978	77878	78153	93653	94398
04-Mar-25	85817	86432	85473	86086	78608	79172	94873	95293
05-Mar-25	86456	86300	86110	85954	79194	79051	95785	95993
06-Mar-25	86346	85876	86000	85532	79093	78662	96898	96460
07-Mar-25	85966	86059	85622	85714	78745	78830	96796	96724
08-Mar-25	SAT							
09-Mar-25	SUN							
10-Mar-25	86027	85932	85683	85588	78801	78714	96422	96634
11-Mar-25	85723	86024	85380	85680	78522	78798	95875	96626
12-Mar-25	86235	86143	85890	85798	78991	78907	97624	98100
13-Mar-25	86672	86843	86325	86495	79392	79548	97950	98322
14-Mar-25	Market Holiday							
15-Mar-25	SAT							
16-Mar-25	SUN							
17-Mar-25	87891	88101	87539	87748	80508	80701	99685	99767
18-Mar-25	88256	88354	87903	88000	80843	80932	99929	100400
19-Mar-25	88680	88649	88325	88294	81231	81203	100248	99968
20-Mar-25	88761	88506	88406	88152	81305	81072	99613	98392
21-Mar-25	88457	88169	88103	87816	81027	80763	97844	97620
22-Mar-25	SAT							
23-Mar-25	SUN							
24-Mar-25	87845	87719	87493	87368	80466	80351	97638	97407
25-Mar-25	87559	87751	87208	87400	80204	80380	97378	97922
26-Mar-25	87798	87791	87446	87439	80423	80417	98779	98794
27-Mar-25	87955	88417	87603	88063	80567	80990	98938	99775
28-Mar-25	89306	89164	88948	88807	81804	81674	100934	100892
29-Mar-25	SAT							
30-Mar-25	SUN							
31-Mar-25	Market Holiday							

आभूषण टाइम्स को मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन का मीडिया पार्टनर नियुक्त

आभूषण टाइम्स

मुंबई। आभूषण टाइम्स, भारत की प्रमुख ज्वेलरी पत्रिका, ने मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन (MWGJA) के साथ अपनी करार की घोषणा की है। इस करार के माध्यम से, आभूषण टाइम्स MWGJA के आगामी कार्यक्रमों और पहलों को व्यापक मीडिया कवरेज प्रदान करेगा, जिससे ज्वेलरी उद्योग के पेशेवरों को नवीनतम समाचार और अपडेट्स मिल सकेंगे।

आभूषण टाइम्स के बारे में

आभूषण टाइम्स पिछले 18 वर्षों से ज्वेलरी उद्योग में समाचार और जानकारी का विश्वसनीय स्रोत रहा है। यह पत्रिका ज्वेलर्स, होलसेल विक्रेताओं और निर्माताओं को बाजार के नवीनतम रुझानों, व्यापारिक सर्वोत्तम प्रथाओं और उद्योग से संबंधित महत्वपूर्ण समाचार प्रदान करती है।

करार के अवसर पर मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश बाफना, सेक्रेट्री श्रेयांस कोठारी, पूर्व सेक्रेट्री अनिल जैन एवं आभूषण टाइम्स के राकेश लोढ़ा।

एसोसिएशन के बारे में

MWGJA मुंबई में गोल्ड ज्वेलरी व्यापारियों का प्रमुख संगठन है, जो व्यापारियों के हितों की रक्षा और उद्योग के विकास के लिए कार्य करता है। अध्यक्ष महेश बाफना और सेक्रेट्री श्रेयांस कोठारी के नेतृत्व में, एसोसिएशन ने उद्योग के विकास और व्यापारियों की भलाई के लिए कई पहलुओं की शुरुआत की है।

आगे की राह

आभूषण टाइम्स और MWGJA के बीच यह साझेदारी ज्वेलरी उद्योग में सूचना के प्रवाह को और सुदृढ़ करेगी। आने वाले महीनों में, दोनों संगठन संयुक्त रूप से उद्योग से संबंधित कार्यक्रमों, सेमिनारों और कार्यशालाओं को बढ़ावा देंगे। जो व्यापारियों और निर्माताओं के लिए लाभकारी सिद्ध होंगे।

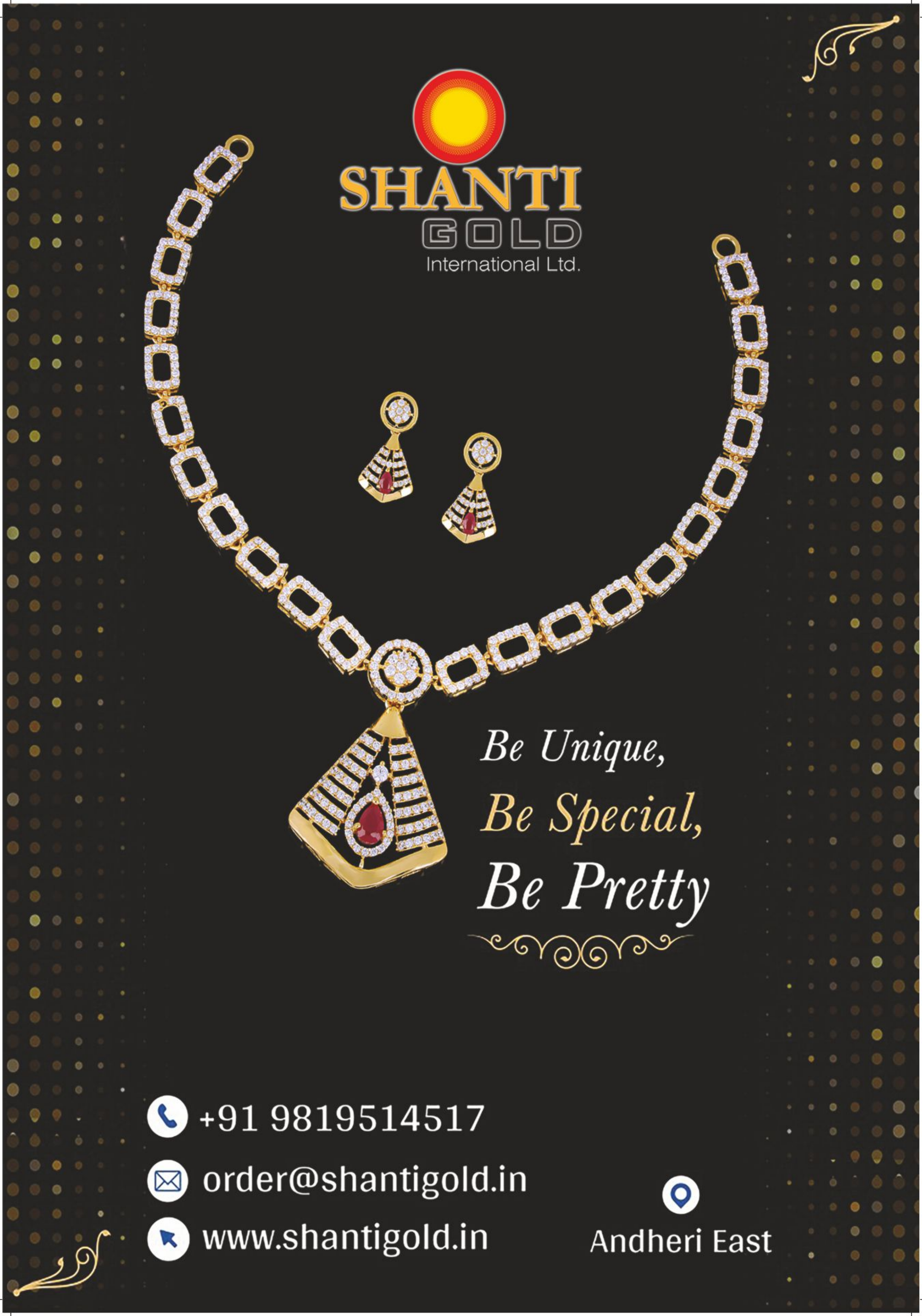
SHANTI
GOLD
International Ltd.
Be Unique,
Be Special,
Be Pretty
+91 9819514517
order@shantigold.in
www.shantigold.in
Andheri East

जीजेएस ज्वेलरी शो 2025

ज्वेलरी इंडस्ट्री में शानदार सफलता की नई उड़ान

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) द्वारा मुंबई में 4 से 7 अप्रेल तक आयोजित किए गए जेम एंड ज्वेलरी शो (जीजेएस) के 7वें एडिशन के बारे में यही तहा जा सकता है कि यह शो भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री तथा खास तौर पर मुंबई की ज्वेलरी सेक्टर के लिए एक नई उड़ान साबित हुआ है। इस बार के जीजेएस ज्वेलरी शो के बारे में हम तो यही कहेंगे कि भारत सदियों से अपनी समृद्ध ज्वेलरी कला और परंपरा के लिए जाना जाता रहा है, उसी तरह से ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल व्यापारिक समृद्धि को बढ़ावा देने में अग्रमी भूमिका में है। गोल्ड,सिल्वर, प्लैटिनम, डायमंड और स्टोन्स और रत्न उद्योग न केवल भारत की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी है। इस उद्योग को संगठित करने, बढ़ावा देने और व्यापारिक अवसर प्रदान करने के लिए ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) द्वारा समय-समय पर विभिन्न पहल की जाती हैं। इन्हीं कुछ पहलों में से एक है - इंडिया जेम एंड ज्वेलरी शो (जीजेएस), जो भारत के ज्वेलरी सेक्टर को एक साझा मंच प्रदान करने में सफल रहा है। इसीलिए, इस शो को हमारा अपना शो कहा जाता है।

मुंबई के जिओ वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) द्वारा आयोजित जीजेएस का 7वां संस्करण ज्वेलरी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित माना जा रहा है। 4 से 7 अप्रैल 2025 के बीच आयोजित इस शो का उदघाटन महाराष्ट्र के गृह राज्यमंत्री पंकज भोयर ने किया। उदघाटन अवसर पर जॉयअलुक्कास ज्वेलरी कंपनी के एमडी वर्गिस अलुक्कास और पॉल अलुक्कास, मनोज वैभव जेम्स एंड ज्वेलर्स लिमिटेड की मेनेजिंग डायरेक्टर मल्लिका मनोज गांधी, आईबीजेए के नेशनल वाइस प्रेसिडेंट अक्षा मोहित कंबोज, जेजेएस के सचिव राजीव जैन, सहित ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के चेयरमेन राजीव रोकड़े, वाइस

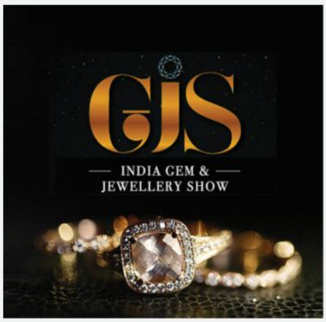

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) द्वारा आयोजित 7वां जीजेएस (इंडिया जेम एंड ज्वेलरी शो) 4 से 7 अप्रैल तक मुंबई में भव्य रूप से आयोजित किया गया और यह अपेक्षा से कहीं अधिक सफल रहा। इस बार के शो ने तमाम आशंकाओं को एक तरफ रख दिया है तथा व्यापारिक सफलता का नया अध्या गढ़ने में सफल रहा है।

चेयरमेन अविनाश गुप्ता, जीजेएस के कन्वीनर संयम मेहरा एवं ज्वेलरी इंडस्ट्री की कई जानी मानी हस्तियों ने विशेष रूप से उपस्थित होकर जीजेएस - हमारा अपना शो की सफलतम शुरूआत की। 4 से 7 अप्रैल 2025 के बीच आयोजित इस बार के सफल ज्वेलरी शो को भी पिछले संस्करणों की तरह ही इस बार भी जीजेएस में 15000 से अधिक विजिटर्स ने भाग लिया और जीजेसी में लगे 400 से ज्यादा एग्जिबीटर्स के ज्वेलरी स्टॉल्स पर 2 लाख से भी ज्यादा ज्वेलरी डिजाइंस ऊन्हें देखने को मिले। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल ने इस साल जीजेएस शो में पहली बार प्रमुख आकर्षणों के रूप में सिल्वर पैवेलियन की भी पेशकश की जो बेहतर ढंग से सफल साबित हुई। सिल्वर पैवेलियन की यह सुविधा प्रीमियम सिल्वर कलेक्शन को प्रदर्शित करते हुए आगामी सीज़न के लिए स्टॉक करने के अवसर प्रदान करने की दिशा में भी सफल रही। जीजेएस शो में इस बार भी इंटरैक्टिव सेमिनार भी आयोजित हुए, जिनके जरिए बाजार की वर्तमान मांग के रुझान के साथ नए उत्पाद लांच की संभावनाओं पर जानकारी के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए ज्वेलर्स को प्रोत्साहित किया गया। जीजेएस 2025 एक तरह से भारत और विदेशों से कॉर्पोरेट्स, चेन स्टोर्स और स्वतंत्र खुदरा विक्रेताओं को आकर्षित करने में सफल रहा है।

जीजेएस ज्वेलरी शो के बारे में परिचयात्मक जानकारी की बात करें, तो जीजेएस अर्थात जेम एंड ज्वेलरी शो देश के प्रमुख बी2बी अर्थात बिजनेस-टू-बिजनेस ज्वेलरी इवेंट्स में से एक है, जिसे ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल द्वारा वर्ष 2021 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य भारत के घरेलू ज्वेलरी बाजार को संगठित करना और व्यापारियों, कारीगरों, निर्माताओं तथा रिटेलरों के बीच नेटवर्किंग को बढ़ावा देना है। इस शो में देशभर से हर साल हजारों की संख्या में ब्रांड्स, थोक ज्वेलरी व्यापारी, ज्वेलरी डिजाइनर, और देश भर से आए रिटेलर्स भाग लेते हैं और अपने नवीनतम कलेक्शन्स और तकनीकों का प्रदर्शन करते हैं। मुंबई में 4 से 7 अप्रैल 2025 तक चला जीजेएस का यह 7वां संस्करण, देश में ज्वेलरी बिजनेस के बढ़ती ताकत को प्रदर्शित करने में सफल रहा ही, जीजेएस के देश में इसके बढ़ते महत्व और सफलता को भी दर्शाने में सफल रहा है।

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल की अवधारणा अर्थात कॉन्सेप्ट पर चर्चा की जाए तो भारत के घरेलू रत्न एवं आभूषण उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाली शीर्ष संस्थाओं में ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल का भी नाम तेजी से

ताकतवर होता जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य है देशभर के ज्वेलर्स को एक मंच पर लाना, ज्वेलरी उद्योग के स्टेंडर्ड और पारदर्शिता को बढ़ाना, छोटे ज्वेलरी व्यापारियों और ज्वेलरी कारीगरों को बिजनेस की मुख्यधारा से जोड़ना, सरकार में बैठे नीति निर्माताओं और सरकार के साथ संवाद स्थापित करना तथा बिजेनेस की बारीकियों से बाजार को अवगत करवाना। जीजेसी ज्वेलरी शो इसी सोच का परिणाम है, जहां भारत की पारंपरिक ज्वेलरी कला और आधुनिक व्यापारिक सोच का मेल होता है।

हाल ही में जीजेसी ज्वेलरी शो पूरे धूमधड़ाके के साथ संपन्न हो गया है, तो यह समझना भी जरूरी है कि आखिर ज्वेलरी शो से व्यापारियों और ज्वेलर्स को कैसे लाभ होता है। दरअसल, जीजेएस जैसे आयोजन न केवल व्यापारिक प्रदर्शन का मंच होते हैं, बल्कि यह ज्वेलरी उद्योग की समग्र प्रगति के संवाहक बनते हैं। इसके प्रमुख लाभ देखें, तो नेटवर्किंग और बिजनेस डील्स, ब्रांडिंग और प्रमोशन का अवसर नवीनतम डिज़ाइन और ट्रेंड्स की जानकारी, नई तकनीकों और मशीनरी से परिचय, नेटवर्किंग और सेमिनार आजदि प्रमुख हैं। जीजेएस एक ऐस, शो है, जहां ज्वेलरी व्यापारी और बड़े बड़े ब्रांड्स एक-दूसरे से मिलकर व्यापारिक संबंध स्थापित करते हैं, जिससे ऑर्डर और डील्स मिलते हैं। देश भर के ज्वेलरी डिज़ाइनर्स अपने नवीनतम ट्रेंड्स प्रदर्शित करते हैं, जिससे व्यापारियों को उपभोक्ता मांगों की जानकारी मिलती है। शो में ज्वेलरी बनाने से जुड़ी नवीनतम तकनीकें और टूल्स तथा मशीनरी का भी प्रदर्शन होता है। शो के दौरान व्यापार से संबंधित सेशंस, सेमिनार और वर्कशॉप आयोजित होते हैं, जिससे प्रतिभागियों को उद्योग की नई दिशाओं का ज्ञान होता है। विशेष रूप से छोटे और मध्यम स्तर के व्यापारियों को अपने ब्रांड को राष्टीय स्तर पर प्रस्तुत करने का मौका मिलता है।

अब तक के जीजेएस ज्वेलरी शो की सफलता और व्यापारिक सहभागिता हमेशा लगभग संतोषजनक रही है, फिर भी ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल साल दर साल इस शो के लिए जो मेहनत करता

राजेश रोकडे
चेयरमेन-जीजेसी

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने कहा कि जीजेएस अप्रैल 2025 शो, हमारा अपना शो के नाम से मशहूर जीजेएस का यह 7वां संस्करण, सभी स्तर के ज्वैलर्स की जरूरतों को पूरा करते हुए नए डिजाइन और ट्रेंड्स की सोर्सिंग के लिए एक प्रमुख मंच साबित हुआ है। रोकड़े का कहना था कि ज्वेलरी इंडस्ट्री की एक शीर्ष संस्था के रूप में, जीजेसी अपने सुरक्षा, संवर्धन और प्रगति के सिद्धांत में दृढ़ता से विश्वास करता है और साल दर साल सफल होते जीजेएस ज्वेलरी शो के माध्यम से, हम इन सभी को एक मंच पर हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

जा रहा है, वह काबिले तारीफ है। जीजेएस का यह 7वां संस्करण था, जो कि पहले के हर सो के मुकाबले बेहतरीन रहा, लेकिन अब तक हुए साभी सातों संस्करणों ने यह सिद्ध कर दिया है कि यह शो भारत के ज्वेलरी उद्योग की नब्ज को पहचानता है। इस बार के जीजेएस शो में हुई विभिन्न व्यापारिक डील्स में फाइनल आंकड़ा तो कुछ दिन बाद में सामने आएगा लेकिन हर बार की तरह हजारों करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, बंगाल जैसे प्रमुख आभूषण उत्पादन राज्यों से भी बड़ी भागीदारी देखने को मिली। इस ज्वेलरी शो से लधु व मध्यन उद्योगों और ज्वेलरी कारीगर सेक्टर की भागीदारी में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। जीजेएस के 2025 का यह 7वां संस्करण, न केवल पिछले 6 संस्करणों के व्यापाक अनुभवों को बेहतर साबित रहा, बल्कि नए कीर्तिमान भी स्थापित करने की तरफ अग्रसर रहा है।

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल द्वारा साल दर साल लगातार प्रगति के पथ पर ले जाए जा रहे जीजेएस ज्वेलरी शो के बारे में सही मायने में कहा जाए, तो जीजेएस ज्वेलरी शो भारतीय आभूषण उद्योग की बढ़ती संभावनाओं और क्षमताओं का प्रतीक है। यह शो न केवल व्यापारिक अवसर प्रदान करता है, बल्कि यह भारतीय ज्वेलरी संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में एक सशक्त कदम भी है। जीजेएस जैसे संगठन की पहल से यह स्पष्ट होता है कि भारत न केवल गोल्ड और रत्नों का बड़ा उपभोक्ता है, बल्कि वह ज्वेलरी की इंटरनेशनल क्वालिटी, बेहतरीन डिजाइन, और एअभिनव प्रयोगों के मामले में भी अग्रणी बनने की राह पर है। 4 से 7 अप्रैल 2025 तक मुंबई में हुआ इस बार का जीजेएस का यह आयोजन, न केवल देश के ज्वेलरी उद्योग के लिए नए व्यापारिक विकास का अवसर साबित हुआ है, बल्कि यह भारतीय ज्वेलरी कारीगरों, ज्वेलरी डिज़ाइनर्स और ज्वेलर्स के सपनों को पंख देने वाला मंच भी साबित हुआ है। जीजेएस 2025 की सफलता यह दर्शाती है कि भारतीय ज्वेलरी उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है। यह शो न केवल व्यवसायिक अवसरों का मंच है, बल्कि यह भारतीय ज्वेलरी कला, कौशल और नवाचार का उत्सव भी है। जीजेसी की यह पहल आने वाले वर्षों में और भी बड़ी ऊंचाइयों को छुएगी, ऐसी आशा की जा रही है।

अविनाश गुप्ता
वाईस चेयरमेन-जीजेसी

जीजेसी के वाईस चेयरमेन अविनाश गुप्ता का कहना था कि जीजेएस अप्रैल 2025 शो ज्वेलरी निर्माताओं, ज्वेलर्स, होलसेलर्स, रिटेलर्स, ज्वेलरी कारीगरों और अन्य लोगों के लिए उभरती प्रतिभाओं और रचनात्मकता से जुड़ने के लिए एक उत्कृष्ट मंच साबित हुआ है। गुप्ता का कहना है कि जीजेएस 2025 ने पूरे शो के दौरान दिलचस्प सेमिनारों की योजना बनाई, जिसमें ज्वेलरी व्यवसाय के सभी पहलुओं को कवर करने के लिए विविध विषयों पर चर्चा हुई।

संयम मेहरा
कन्वीनर - जीजेएस

जीजेसी के कन्वीनर और जीजेएस तथा जीजेसी नेक्स्ट के संयोजक संयम मेहरा युवा सोच के व्यक्ति हैं, उनका पूरा फोकस युवा पीढ़ी को ज्वेलरी बिजनेस की नई बारीकियों से जोड़ने पर है। संयम मेहरा युवा प्रतिभाओं को ज्वेलरी इंडस्ट्री की आकर्षक दुनिया में नए प्रतिमान स्थापित करने की दिशा में प्रोत्साहित करने को प्रयासरत हैं। उनका कहना है कि हमारा अपना शो जीजेएस का यह 7वां संस्करण अपनी समृद्ध विरासत पर आधारित रहा, जो एक भव्य मंच साबित हुआ है।

निकिता पोरवाल
फेमिना मिस इंडिया-2024

फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 निकिता पोरवाल ने कहा कि उन्हें खुशी है कि वे जीजेएस की ब्रांड एंबेसडर के रूप में दुनिया भर भारत के जेम एंड ज्वेलरी उद्योग की पहचान को स्थापित करने में अपनी प्रतिभा का परिचय देगी। उन्होंने कहा कि ज्वेलरी के मामले में असाधारण शिल्प कौशल से हमारे ज्वेलर्स ने भारत के नाम को दुनिया भर में रोशन किया है। अब वे जीजेएस के जरिए विश्व मंच पर भारत की समृद्ध ज्वेलरी विरासत और उसके अभिनव डिजाइनों को प्रदर्शित करेंगी। निकिता ने कहा कि जीजेएस से जुड़ने पर उन्हें गर्व है।

GJS 2025

Swarn Shilp Chains & Jewellery Pvt. Ltd.

Shringar House of Mangalsutra

Royal Chains

Silver Emporium

Solanki Jewels

Shine Shilpi

Mukti Gold | Diamonds

S K Jewellers

Utsav CZ Gold Jewellery

BD Bangles

LM Lifestyle

Vinayak Exports

R. Kothari & Co. Jewellers

Sangam House of Gold

J K Jewels

V Chains

Manish Jewellers Pvt. Ltd.

J.P. Gold

Shankesh Jewellers Pvt. Ltd.

Chains Corner

R.B. Jewellers

GJS 2025

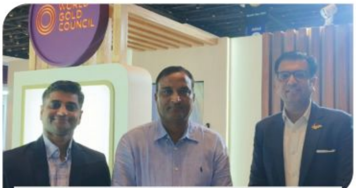

World Gold Council

Dhanaksh Jewel LLP

Shanti Gold International Ltd.

Sha Madanraj Dalichand

M Mehta & Sons

M.R. Gold (P) Ltd.

Sangam Chains N Jewels

Bhawani Gold Pvt. Ltd.

Bhagwati Impex

Pooja Jewellers

L K Jewels

Sky Gold Ltd.

Dassani Brothers

Nakoda Jewels

Kanakratna Exim Pvt. Ltd.

H.P. Silver

Shashwat Atelierr LLP

M.U. Jewellers

Bhavesh Gold Mangalsutra

Ratan Shree Jewellers Pvt. Ltd.

Munot Ornaments

अगले 5, 10 या 20 साल के लिए सोने या चांदी में कौन है निवेश का बेस्ट विकल्प?

सर्राफा बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि लंबी अवधि में सोने या चांदी को पोर्टफोलियो का हिस्सा जरूर बनना चाहिए। इन दोनों कीमती धातु ने लंबी अवधि में अपने निवेशकों को हमेशा शानदार रिटर्न दिया है।

सोने और चांदी ने निवेशकों को मालामाल करने का काम किया है। 2024 में सोने ने 21 फीसदी का शानदार रिटर्न दिया था। सिल्वर ने भी 19.66 प्रतिशत रिटर्न दिया था। इस साल भी सोने और चांदी की कीमत में तेजी का सिलसिला जारी है। आपको बता दें कि पिछले 12 महीने में सोना 40 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है, जबकि चांदी लगभग 34 प्रतिशत बढ़ी है। अब सवाल उठता है कि अगर कोई निवेश 5, 10 या 20 साल के लिए निवेश करना चाहता है तो उसे सोना या चांदी में से किसमें निवेश करना चाहिए? कौन इन दोनों में ज्यादा रिटर्न दे सकता है? अगर आप भी इन सवालों के जवाब ढूंढ रहे हैं तो हम आपको उत्तर देते हैं।

कमोडिटी विशेषज्ञों का कहना है कि सोने और चांदी की कीमत बढ़ने के पीछे कई फैक्टर काम कर रहे हैं। दुनियाभर में अभी उथल-पुथल की स्थिति है। रूस और युक्रेन युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। जब भी दुनिया में अस्थिरता होती है तो सुरक्षित निवेश के तौर पर निवेशकों की पहली पसंद सोना होता है। इसलिए सोने की मांग लगातार बनी हुई है। वहीं, दुनियाभर के केंद्रीय बैंक भी सोने की खरीदारी कर रहे हैं। इससे भी सोने की कीमत लगातार बढ़ रही है। वहीं, चांदी की कीमत बढ़ने के कारण टटोले तो दो बड़े कारकों का हवाला दिया जा रहा है। सबसे पहले, औद्योगिक गतिविधि में वृद्धि। और दूसरा, निवेश विकल्प के रूप में चांदी में बढ़ती रुचि। चांदी का बाजार अपेक्षाकृत छोटा है, जिसका सालाना कारोबार लगभग 30 बिलियन डॉलर है। और यही कारण है कि आपूर्ति में मामूली बदलाव का मांग और कीमत पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। औद्योगिक क्षेत्र में हरित प्रौद्योगिकियों से चांदी की बढ़ती मांग, सीमित आपूर्ति वृद्धि के साथ, तेजी से विकसित हो रहे आर्थिक परिदृश्य में चांदी को एक अनुकूल विकल्प बनाती है। इसलिए चांदी की कीमत में तेजी बनी हुई है। अगर हम सोना-चांदी अनुपात पर नजर डालें तो, सोने और चांदी की कीमतों की तुलना करने वाला एक मीट्रिक, 1980 के दशक में 70:1 का हुआ करता था। आज, अनुपात 91:1 के करीब है क्योंकि सोना लगभग 3,030 डॉलर है और चांदी लगभग 33 डॉलर पर कारोबार कर रही है। इसका मतलब यह है कि चांदी का अभी भी कम मूल्यांकन किया गया है और इसे कवर करने के लिए कुछ जगह है। या तो चांदी की कीमत तेजी से बढ़ती है या सोने की कीमत गिरती है या अनुपात को इसके दीर्घकालिक औसत 70:1 के करीब लाने के लिए स्थिर रहती है।

अब सवाल उठता है कि 5, 10 या 20 साल के लिए कहां निवेश करना ज्यादा सही होगा? सर्राफा बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि लंबी अवधि में सोने या चांदी को पोर्टफोलियो का हिस्सा जरूर बनना चाहिए। इन दोनों कीमती धातु ने लंबी अवधि में अपने निवेशकों को हमेशा शानदार रिटर्न दिया है। हां, इन दोनों में कौन बेहतर रिटर्न देगा यह कहना मुश्किल है। इसलिए अपने पोर्टफोलियो को बैलेंस करने के लिए कम से कम 10 प्रतिशत निवेश सोने और चांदी में करना चाहिए। अगर आप सुरक्षित निवेश चाहते हैं तो सोना में निवेश करें।

अमेरिका, जर्मनी, चीन... यहां भारतीय 10 पर अकेले भारी

नई दिल्ली। भारत में सोने का क्रेज सिर्फ संस्कृति से जुड़ा नहीं है। यह परंपरा में लिपटी आर्थिक ताकत भी है। पूरे देश में परिवार लगभग 25,000 टन सोना रखते हैं। इस वजह से भारतीय परिवार दुनिया में सोने के सबसे बड़े निजी मालिक हैं। यह खजाना सिर्फ सजावट की चीज नहीं है। यह एक सुरक्षा कवच है। यह वित्तीय सुरक्षा और आत्मविश्वास देता है, खासकर महिलाओं को। सोने की कीमतें बढ़ रही हैं। इससे यह विरासत तेजी से दौलत में बदल रही है। सेबी-रजिस्टर्ड रिसर्च एनालिस्ट ने हाल ही में इसे लेकर कई चौंकाने वाले आंकड़े शेयर किए। उन्होंने कहा कि भारतीय परिवारों ने सिर्फ 1 साल में सोने से लगभग 750 अरब डॉलर की संपत्ति बढ़ाई है। भारत में सोने को लेकर लोगों का लगाव बहुत ज्यादा है। रिसर्च एनालिस्ट एके मांधन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि भारत के लोगों के पास 25,000 टन सोना है। यह दुनिया के टॉप 10 सेंट्रल बैंकों के सोने के भंडार से भी ज्यादा है। इसमें अमेरिका, जर्मनी, चीन और भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) भी शामिल हैं।

सोने में 13 फीसदी तेजी के आसार

विश्लेषकों ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और बढ़ती निवेश मांग की वजह से सोने का भाव अगले 18 महीने में 3500 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच सकता है। यह मौजूदा स्तर से करीब 13 फीसदी की तेजी है। बोफा ने कहा है कि ट्रंप प्रशासन की व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितता की वजह से अमेरिकी डॉलर में नरमी आएगी जिससे अल्पावधि में सोने की कीमतों को और बढ़ावा मिल सकता है। अमेरिका के दोहरे घाटे का व्यापक पुनर्संतुलन भी सोने में तेजी बढ़ा सकता है।

बोफा ने कहा है, 'चीन का बीमा उद्योग अपनी परिसंपत्तियों का 1 प्रतिशत हिस्सा सोने में निवेश कर सकता है। यह सालाना स्वर्ण बाजार के करीब 6 फीसदी के बराबर है। केंद्रीय बैंकों के पास इस समय अपने भंडार का लगभग 10 प्रतिशत सोना है तथा वे अपने पोर्टफोलियो को अधिक मजबूत बनाने के लिए इसे बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर सकते हैं। रिटेल निवेशक भी सोने में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। यही वजह है कि अमेरिका, यूरोप और एशिया में इस साल

जनवरी से अब तक (वाईटीडी) पारंपरिक रूप से समर्थित ईटीएफ की एयूएम में सालाना आधार पर 4 फीसदी तक का इजाफा हुआ है।'

बोफा सिक्योरिटीज ने कहा कि सोने की तेजी में प्रमुख जोखिमों में अमेरिकी राजकोषीय समेकन, भू-राजनीतिक तनाव में कमी तथा 2 अप्रैल को लगने वाले टैरिफ मुख्य रूप से शामिल हैं। इस बीच, सोने ने करीब 38 फीसदी तेजी के साथ वित्त वर्ष 2025 में चमक बरकरार रखी है। 2008 के बाद से यह इसका सबसे अच्छा वित्त वर्ष रहा क्योंकि निवेशकों ने वैश्विक घटनाक्रम, विशेष रूप से डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ-संबंधी धमकियों के कारण सुरक्षित परिसंपत्तियों की खरीद पर जोर दिया। बोफा ने इसे पहले सोने के लिए 3,000 डॉलर प्रति औंस की कीमतों का पूर्वानुमान दिया था जो हाल में पार हो गया।

SANGAM ™

CHAINS N JEWELS

(Unit of Shashwat Ornaments Pvt. Ltd.)

SANGAM CHAINS N JEWELS

Wholesale Showroom: DD Jewels Market, 4th floor,

1st Agyari Lane, Zaveri Bazar, Opp khau Galli, Mumbai 400003.

+91 22 2345 2827 / 2745 / 2777 / 2346 4747

Shashwat Ornaments

Purity. Finnese. Luxury

SHASHWAT ORNAMENETS

Manufacturing Unit: G4, Melstar House, 2nd floor,

MIDC Cross Road-A, Near Marol Bus Depot,

Andheri (East), Mumbai -400 093.

Branches: THRISSUR • KERALA

DL
LAKHANI

Beyond Celebrations...

With Best Compliments From

- LAKHANI CATERERS
- LAKHANI TRADERS
- LAKHANI CATERING
- LAKHANI HOSPITALITY
- NITYA INC

LD
Lakhani Decorator

Dewang Lakhani
9819384241

Rajesh Lakhani
9820084241

OUR PANEL : • **SAYA RESORT** (BHIWANDI) •**TULIP STAR** (JUHU, VILE PARLE W) •**NSCI**(WORLI) • **QUEENS LAWN** (BORIVILI W)

OUR ASSOCIATES • **BAYVIEW** (MAZGAON) • **KUTCHI GROUND** (BORIVILI W) • **PARSEE GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **KORA KENDRA GROUND** (BORIVILI W) • **WILSON GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **PUSPANJALI GROUND** (BORIVILI W) • **ISLAM GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **SRPF GROUND** (JOGESHWARI E) • **SOMAIYA GROUND** (GHATKOPAR) • **JVPD** (JUHU,VILE PARLE W)

MOGRA Banquet by D Lakhani Hospitality / Rajiv Gandhi Institute, Versova Link Road, (Andheri West).

BANQUET • CATERING • DECOR • HOSPITALITY

LAKHANI BANQUET

Managed By D Lakhani Hospitality
(Malad West)

Address: Office No 6, 1st Floor, kutch Castle Building, Opp.Tiwari Sweets,Opera House, Mumbai - 400004.

Follow Us On **D LAKHANI HOSPITALITY** http://dlakhanihospitality.com/

RJ
RAJ JEWELLERS

REET
CZ JEWELLERY

kiranraj1111@gmail.com
+91 98216 80168

RETI
MOUNTING JEWELLERY

retimounting@gmail.com
+91 82912 79021

REVAJ
ANTIQUE JEWELLERY

raj.ethnicgold@yahoo.com
+91 99307 96231

Goregaon, Mumbai
@rajjewellersmumbai

IIJS TRITIYA 2025

Swarn Shilp Chains & Jewellery Pvt. Ltd.

Shringar House of Mangalsutra

Royal Chains

Silver Emporium

Aradhana Jewellers Pvt. Ltd.

Samir Lakhani Hospitality

Mukti Gold | Diamonds

S K Jewellers

Raj Jewellers

Manak Jewellers Pvt. Ltd.

Master Chains

Raj Diamonds

R. Kothari & Co. Jewellers

Sangam House of Gold

J K Jewels

V Chains

Sky Chains

Pratap Jewels

Shankesh Jewellers Pvt. Ltd.

Aakar Jewels

Samruddhi Jewelcraft Pvt. Ltd.

IIJS TRITIYA 2025

Diamond Creations Pvt. Ltd.

Chain N Chains

Sk Seth Jewellers (Mohanlal Seth)

Shanti Gold International Ltd.

M Mehta & Sons

A Mahendra Jewellers

Sangam Chains N Jewels

Laxmi Diamonds

Sheaura Jewels

Pooja Jewellers

J K S Jewels Pvt. Ltd.

Sky Gold Ltd.

Tarini by S K Seth Co.

M.R. Gold Pvt. Ltd.

Kanakratna Exim Pvt. Ltd.

Bhavika Jewellers

Amyrah Creations

Rose Jewellers

Unique Chains & Jewels Ltd.

Kalash Jewels

Munot Ornaments

Madhuban Toyota
A fresh experience in customer delight

TOYOTA U TRUST
Buy | Sell | Exchange - Used cars

TOYOTA

Conquer any terrain with

CONFIDENCE STYLE

PRESENTING THE UNBEATABLE
TOYOTA HILUX & TOYOTA FORTUNER

Your *Awesome*

companions for the road ahead

*T & C Apply

LOWEST DOWNPAYMENT
Rs.88,888/-*

LOWEST DOWNPAYMENT
Rs.99,999/-*

ATTRACTIVE EXCHANGE BENEFITS

Kurla / Bandra / Lower Parel / Breach Candy

02242431999 / +919819797976

BOOK A TEST DRIVE TODAY

AMYRAH
CREATIONS

Premium 92.5 Sterling Silver Jewellery

At Amyrah Creations, we are dedicated manufacturers of premium 92.5 sterling silver jewelry, blending the elegance of Italian style with the craftsmanship of Indian artisans. Our collection is designed with the latest international trends in mind, bringing a unique fusion of modern sophistication and timeless artistry to retailers pan - india.

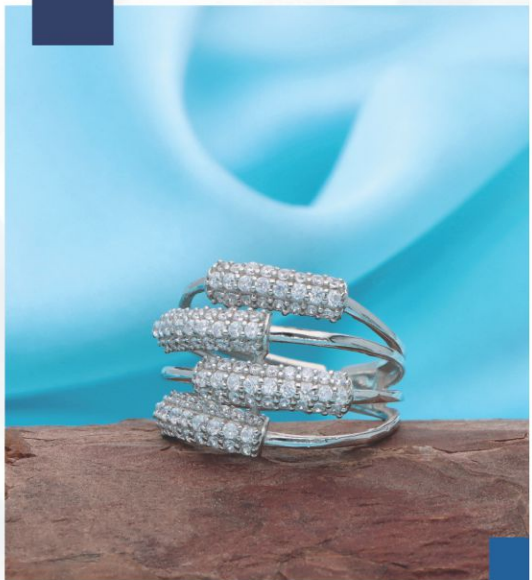

BRAND BY

MU ©

M. U. JEWELLERS PVT. LTD.®

Amyrah Creations is a distinguished brand by M.U. Jewellers, specializing in premium 92.5 sterling silver jewelry. Known for its International-inspired designs and crafted in India, Amyrah Creations brings a unique blend of elegance and quality to retailers seeking sophisticated, high-quality silver jewelry. Each piece reflects M.U. Jewellers' legacy of craftsmanship and commitment to delivering exceptional jewelry that stands the test of time.

Daily updates :

For further Details :

Office : +91 959 1395949

Dikshit Jain : +91 98212 9827

Mr. Pratik Mehra
ARUNDHATI JEWELLERS

Mr. Yash Suresh Atlani
EKTA JEWELLERS

Mr. Arpit Jaiswal
BANARAS SWARB KALA KENDRA PVT. LTD.

Mr. Samyak Kishorkumar Shah
CHANDUKAKA SARAF AND SONS PVT. LTD.

Mr. Saumya Vineet Gandhi
GANDHI JEWELLERS

Mr. Yashwin Khurana
KAYS JEWELS PVT. LTD.

Mr. Abhishek Soni
MANIK CHAND & SONS JEWELS

Mr. Vedant Anand
PUNJABI SARAF JEWELLERS

Mr. Subhasis Roy
RADHA GOBINDO ROY GRANDSON JEWELLERS

Mr. Saket Keshri
RATNALAYA JEWELLERS

Mr. Ansh Jain
V CHAINS JEWELLERY PVT. LTD.

जीजेईपीसी द्वारा निर्यात पर समिक्षा हेतू संगोष्ठी का आयोजन

मुंबई। जीजेईपीसी द्वारा निर्यात बढ़ाने हेतु महाप्रज्ञा विधि निधि फाउंडेशन कालबादेवी रोड मुंबई में एक समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर लगभग 250 ज्वेलरी व्यवसायीयों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। इस दौरान जीजेईपीसी द्वारा एक्सपोर्ट संबंधित विषय पर प्रकाश डाला गया। और ज्वेलरी व्यवसायीयों को अपने व्यापार संबंधित कोई भी समस्या आने पर उसका समाधान करने का आश्वासन दिया। आने वाले सभी एग्जिबिशन सहित विदेशों में होने वाले सभी आयोजनों के बारे में भी चर्चा की। साथ ही साथ इंडिया ज्वेलरी पार्क मुंबई प्रोजेक्ट की जानकारी की विस्तृत रूप से दी गई। जीजेईपीसी के वेस्टर्न रीजनल की चेयरपर्सन खुशबू राणावत ने सभी का आभार प्रकट किया।

सोने ने तोड़ा 12 साल का रेकॉर्ड

नई दिल्ली। सोने की कीमत नए रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। पिछले 12 महीने में सोने की कीमत 50 बार ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुकी है। पिछले 12 साल में यह इसमें तेजी का सबसे लंबा दौर है। साथ ही यह सोने के इतिहास में तेजी का तीसरा सबसे लंबा दौर है। इससे पहले 1970 के दशक में महंगाई, आर्थिक विकास में ठहराव और बेरोजगारी के कारण सोने की कीमत कई महीनों तक चढ़ी थी। उस दौरान सोने की कीमत में लगातार चार साल तक तेजी आई थी। इस बार सोने की कीमत पिछले एक साल में 39 फीसदी और इस साल 16 फीसदी चढ़ चुकी हैं। यह लगातार तीसरे साल पॉजिटिव परफॉरमेंस की तरफ बढ़ रहा है।

सोने की कीमत में तेजी के कई कारण हैं। लोगों को डर है कि अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ लगाने से दुनिया में व्यापार युद्ध गहरा हो सकता है। यही वजह है कि निवेशक सोने को सुरक्षित मानकर इसमें पैसा लगा रहे हैं। सोने को हमेशा से ही आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता के खिलाफ एक बचाव के रूप में देखा जाता है। जब ब्याज दरें कम होती हैं, तो सोने की कीमत बढ़ने लगती है। जानकारों का कहना है कि लगातार अनिश्चितता लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण सोने की मांग बढ़ रही है। इसका मतलब है कि लोग सोने को इसलिए खरीद रहे हैं क्योंकि उन्हें लग रहा है कि दुनिया में कुछ गड़बड़ होने वाली है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 की दूसरी तिमाही में सोने की कीमत 96,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकती हैं। वैश्विक स्तर पर सोने की कीमत दिसंबर तक 3,200 से 3,400 प्रति औंस तक जा सकती है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में पिछले दिनों सोने की कीमत 1,100 रुपये के उछाल के साथ 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की नई ऊंचाई पर पहुंच गई थी।

पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 91,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। साथ ही चांदी की कीमतों में 1,300 रुपये की तेजी आई और यह के बंद स्तर 1,01,700 रुपये प्रति किलोग्राम के मुकाबले 1,03,000 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब पहुंच गई।

डीवाइन सिल्वर का उद्घाटन

ए महेन्द्रा ज्वेलर्स के नए उपक्रम डीवाइन सिल्वर का उद्घाटन एमराल्ड ग्रुप के के. श्रीनिवासन ने 27 मार्च को 211/213, राजा भवन, पहला माला, कालबादेवी रोड़, मुंबई में किया। इस अवसर पर ज्वेलरी इण्डस्ट्रीज के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। ए महेन्द्रा के नितीन जैन, पंकज जैन, दिनेश परमार को शताब्दी गौरव एवं आभूषण टाइम्स के संपादक सिद्धराज लोढ़ा एवं राकेश लोढ़ा ने शुभकामनाएं दी।

carron
ready made garments
Men's wear | Women's wear | Kids wear
Kalbadevi | Kemps Corner | Kalyan (Mumbai)
Contact Number : +91 8866435435
carronclothing
carronfashion

Manufacturers and Wholesalers of exquisite Gold Chains & ornaments.

Royal. Timeless. Versatile.

#HameshaKeLiyeRoyal

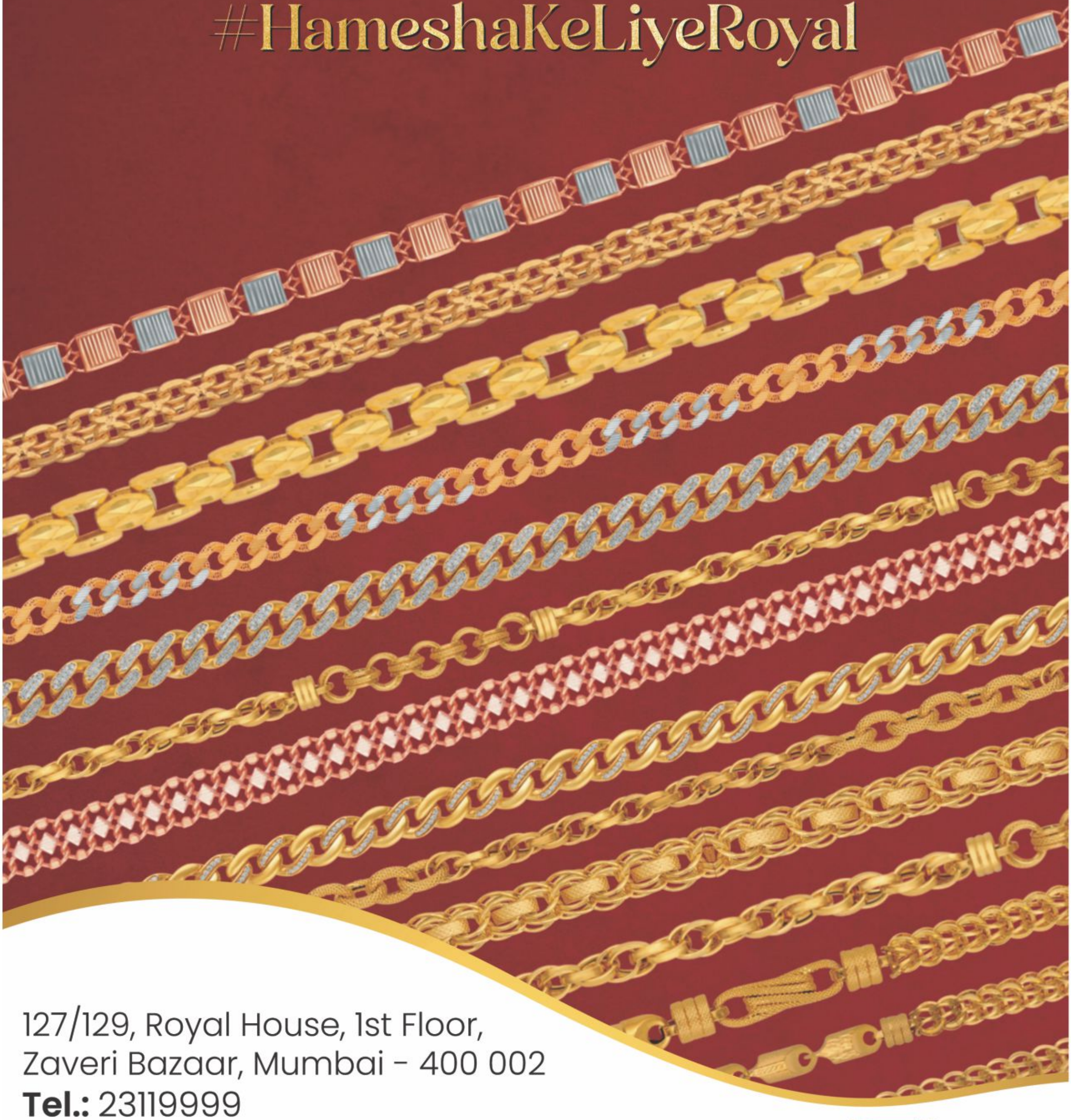

127/129, Royal House, 1st Floor,
Zaveri Bazaar, Mumbai - 400 002
Tel.: 23119999
Mob.: +91 97690 20737
E-mail: orders@royalchains.com
Website: www.royalchains.com

ROYAL CHAIN®
PRIVATE LIMITED

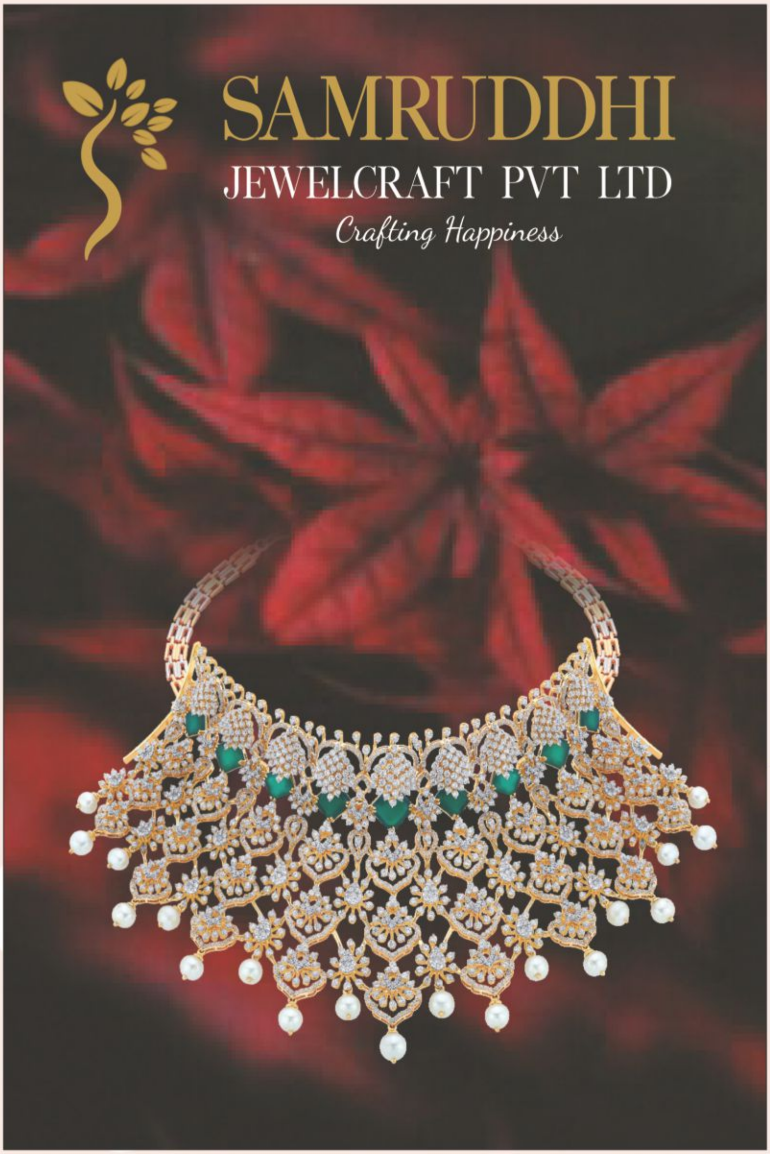

Dinesh Jain
+91 93206 70627

Nikhil Jain
+91 98196 03187

samruddhijewelcraft@gmail.com

DINTARA JEWELS

Lab Grown Diamond Jewellery

a brand by **Choksi Vimal**® **Bullion LLP** *Since 1949*

Shop No. 3/4, 27, Round Chawl, Mumbadevi Road, Tambakata, Kalbadevi, Mumbai, Maharashtra - 400 002.
Intercom : 2781# | Tel.: 022 - 61832781, Email : shine@dintara.in, Web.: www.dintara.in

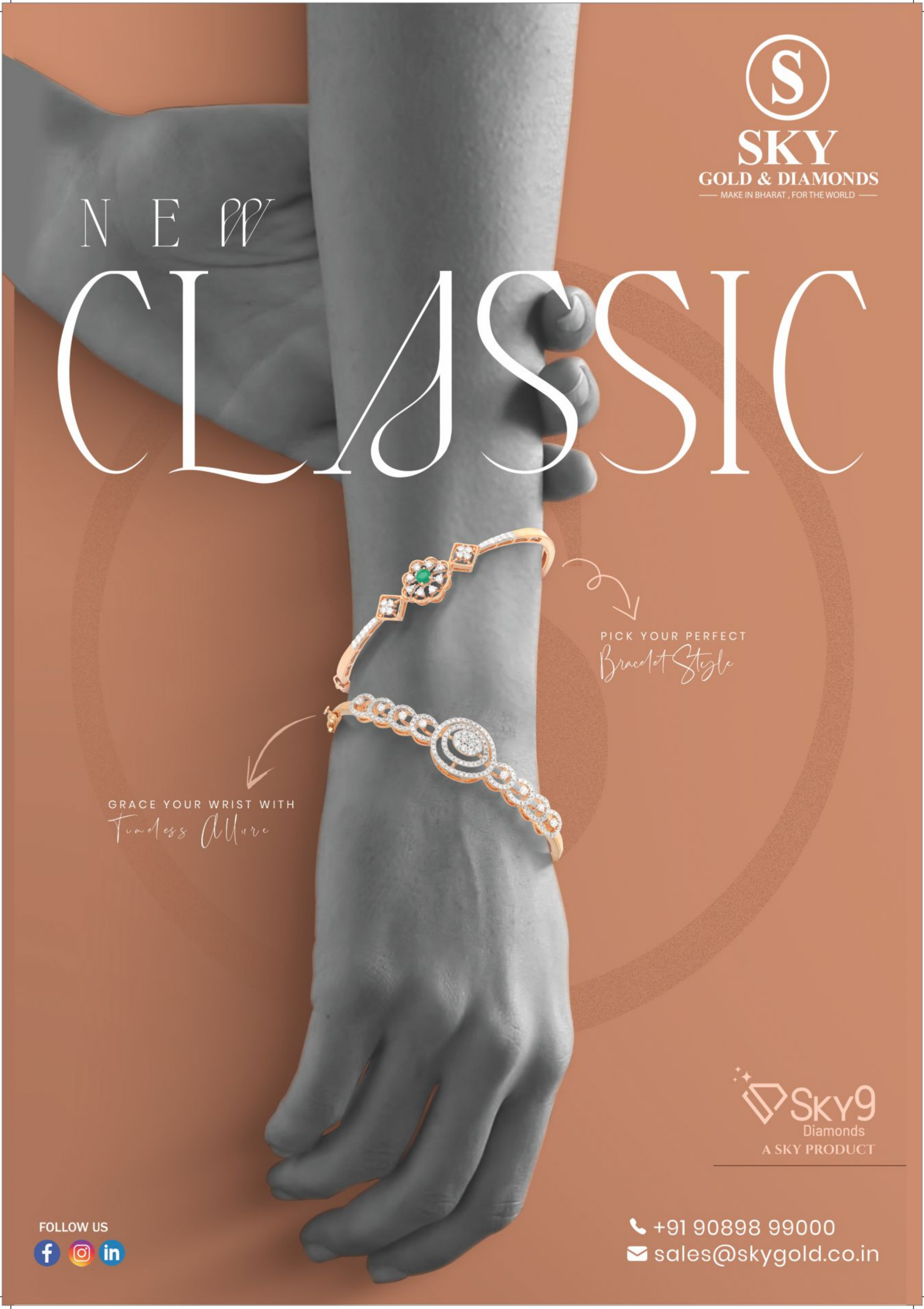

SKY
GOLD & DIAMONDS
MAKE IN BHARAT , FOR THE WORLD
NEW
CLASSIC
PICK YOUR PERFECT
Bracelet Style
GRACE YOUR WRIST WITH
Timeless Allure
Sky9
Diamonds
A SKY PRODUCT
FOLLOW US
+91 90898 99000
sales@skygold.co.in